दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM
आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22
वर्ष-5 अंक-48 भोपाल, गुरुवार 30 दिसम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

आज का सुविचार

अंकुश बन हाथी को
अपने वश में कर लेते हैं।
- चाणक्य

पंचांग

पौष कृष्णा एकादशी
, गुरुवार 22
विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:59/5:42
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	40 %
वायु (किमी/घ.)	10
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तौला
₹ 49,710

शेयर सूचकांक

बीएसई	57731.82	-165.66
निफ्टी	17188.20	-45.05

मनी लॉन्ड्रिंग केस; ED ने सप्लीमेंट्री चार्जशीट में अनिल देशमुख को मुख्य आरोपी बनाया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को मुख्य आरोपी बताया है। ED ने मुंबई के PMLA कोर्ट में दायर 7000 पन्नों की सप्लीमेंट्री चार्जशीट में देशमुख का नाम मुख्य आरोपी के तौर पर दर्ज किया है। इस चार्जशीट में अनिल देशमुख के दोनों बेटों के नाम भी हैं।

उद्धव की चिट्ठी से नाराज हुए महाराष्ट्र के राज्यपाल

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष के चुनाव को लेकर राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और सीएम उद्धव ठाकरे के बीच तनातनी बढ़ती जा रही है। चुनाव करवाने की मांग को लेकर रविवार के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने ष्टरूउद्धव ठाकरे का एक पत्र राज्यपाल को सौंपा था।

24 घंटे में नए केस दूसरी लहर के बाद सबसे ज्यादा

12 दिन में 8 गुना बढ़े ओमिक्रॉन के मामले, दिल्ली-मुंबई में कोरोना विस्फोट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश में ओमिक्रॉन संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। ओमिक्रॉन संक्रमितों की संख्या बढ़कर 804 हो गई है। 17 दिसंबर को देश में ओमिक्रॉन संक्रमितों की संख्या 100 के पार चली गई थी। 12 दिनों के भीतर देश में ओमिक्रॉन संक्रमण 8 गुना हो गया है। वहीं, मंगलवार को मुंबई में कोरोना के 1377 केस मिले हैं, जो पिछले 7 महीने में सबसे ज्यादा है। 26 मई को मुंबई में 216 कोरोना केस मिले थे। दिल्ली में मंगलवार को कोरोना के 496 केस मिले हैं। यह आंकड़ा 2 जून के बाद सबसे ज्यादा है। दोनों शहरों के यह आंकड़े दूसरी लहर के बाद सबसे ज्यादा है।

ओमिक्रॉन संक्रमितों की संख्या 800 पार, दिल्ली में सबसे ज्यादा 238 मामले; डेली कोविड केस में 44 फीसदी का उछाल:- देश में अब तक 804 ओमिक्रॉन संक्रमितों की पुष्टि हुई है। दिल्ली में ओमिक्रॉन के 238 केस मिले हैं जो कि देश के किसी भी राज्य से सबसे ज्यादा है। 167 मामलों के साथ महाराष्ट्र दूसरे नंबर पर है। वहीं, देश में बीते दिन कोरोना के 9,195 केस मिले।

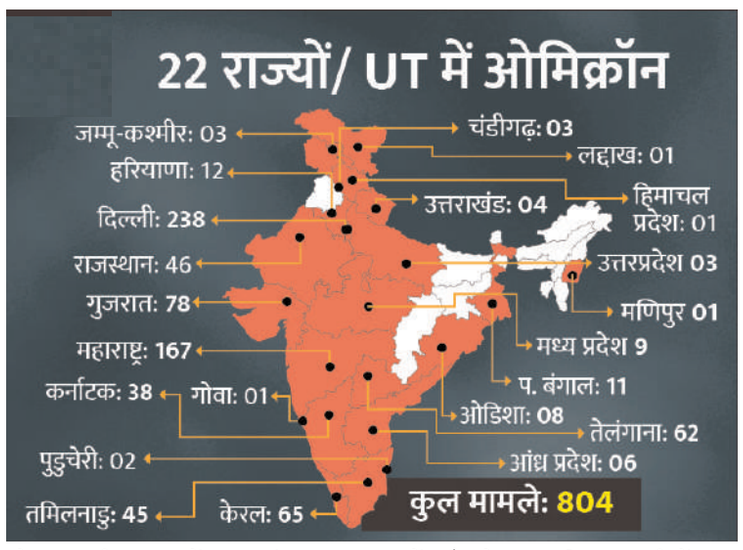

सोमवार की तुलना में यह आंकड़ा 44 फीसदी ज्यादा है। एक्टिव मामलों की संख्या बढ़कर 77,002 हो गई है। मंगलवार को 302 मरीजों की मौत हुई जिससे मरने वालों की कुल संख्या 4.80 लाख से ज्यादा हो गई। देश में अब तक 3.48 करोड़ से अधिक कोरोना केस मिल चुके हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बताया कि राजधानी में कल कोविड के 496 मामले आए थे, अब पॉजिटिविटी रेट 1 फीसदी के पास है। अभी तक जितने भी मामले आए हैं उनमें बाहर से आने वाले लोगों में ओमिक्रॉन ज्यादा हुआ है और उनके संपर्क में आने वाले लोग संक्रमित हुए हैं। डेल्टा के मुकाबले ओमिक्रॉन का असर कम है।

दिल्ली में पब्लिक ट्रांसपोर्ट को 50 फीसदी कैपेसिटी के साथ चलाने का फैसला

राजधानी दिल्ली में कोरोना केस बढ़ने के बाद सरकार ने पब्लिक ट्रांसपोर्ट को 50 फीसदी कैपेसिटी के साथ चलाने का फैसला लिया है। संक्रमण रोकने के इस फैसले के बाद मेट्रो स्टेशन और बस स्टॉप के बाहर लोगों की लंबी लाइन देखी गई। वहीं, लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टेशन के बाहर खड़े एक युवक ने कहा, मैं यहां एक घंटे से रुका हुआ हूं। मेट्रो स्टेशन के बाहर इतनी लंबी लाइनें हैं कि मुझे समझ नहीं आ रहा है कि मैं अंदर कैसे जाऊं। मुझे लाइन में ही घंटों लग जाएंगे। महाराष्ट्र विधानसभा के 5 दिनों के विंटर सेशन के दौरान 50 कोरोना केस दर्ज किए गए हैं। सेशन के दौरान 2 मंत्रियों समेत कई नेता कोरोना पॉजिटिव पाए गए। इनमें विधायक, विधानसभा के कर्मचारी, पुलिसकर्मी और पत्रकार शामिल हैं। दोनों संक्रमित मंत्रियों में स्कूली शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड और के.सी.पडावी शामिल हैं।

ओमिक्रॉन से ही खत्म होगा कोरोना

विशेषज्ञ इसे महामारी के खात्मे की वैक्सीन बता रहे; क्योंकि ओमिक्रॉन फैल रहा, मौतें घट रहीं

नई दिल्ली। कोरोना का नया वैरिएंट ओमिक्रॉन ही इसके खात्मे की वजह बनेगा। ब्रिटिश मेडिकल काउंसिल के पूर्व वैज्ञानिक ने बारे में जानकारी दी। एक्सपर्ट के मुताबिक, ओमिक्रॉन के तेज फैलाव से डरने की जरूरत नहीं है, इस वैरिएंट की वजह से ही इस महामारी का अंत होगा। डेल्टा के मुकाबले ओमिक्रॉन फेफड़ों में काफी धीमी गति से फैलता है। हालांकि यूरोप और अमेरिका में यह वैरिएंट बहुत तेजी से पांव पसार रहा है।

ओमिक्रॉन फेफड़ों में 10 गुना धीमा:- ब्रिटिश मेडिकल काउंसिल के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. राम एस. उपाध्याय ने ओमिक्रॉन को लेकर राहत भरी जानकारी दी। डॉ. उपाध्याय के मुताबिक, ओमिक्रॉन डेल्टा वैरिएंट से काफी अलग है। डेल्टा फेफड़ों में पहुंचकर नुकसान पहुंचाता है, जबकि ओमिक्रॉन श्वासनली में रुककर अपनी संख्या को बढ़ाता है। ओमिक्रॉन जब तक फेफड़ों में पहुंचता है, तब तक इसकी स्पीड 10 गुना कम हो जाती है। इसलिए मरीज को ऑक्सीजन सपोर्ट की जरूरत नहीं पड़ती। इंसान की श्वासनली में 'म्यूकोसल इम्यून सिस्टम' होता है, जो इम्यूनिटी सिस्टम का सेंटर होता है। यहीं पर एक एंटीबॉडी बनती है, जिसे 'इम्यूनोग्लोबुलिन आईजीए' कहते हैं।

भोपाल डिप्टी कमिश्नर की तेज रफ्तार कार व्यापारी की कार से भिड़ी

दो लोग घायल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

भोपाल के पॉलिटेक्निक चौराहे पर मंगलवार रात सहकारिता विभाग के डिप्टी कमिश्नर, धार की कार और वोट क्लब की तरफ से आ रही दूसरी कार के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार दो लोगों को मामूली चोट आई हैं। बताया गया कि हादसे के वक्त कार में डिप्टी कमिश्नर मौजूद नहीं थे। दोनों पक्षों ने थाने में मामला दर्ज कराया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह दोनों वाहनों का

तेज रफ्तार होना सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, सम्राट कालोनी अशोका गार्डन में रहने वाले आयुष जैन मंगलवार रात परिवार के साथ बोट क्लब घूमकर कार से अपने घर जा रहे थे। रात करीब साढ़े दस बजे वह पॉलिटेक्निक चौराहे के पास पहुंचे ही थे तभी रवीन्द्र भवन की तरफ से आ रही डिप्टी कमिश्नर की कार से उनकी कार में भिड़ंत हो गई। आमने-सामने की भिड़ंत होने से कार के एयरबैग खुल गए। आयुष जैन की कार में सवार उनके परिजनों को मामूली चोट आई हैं। उनकी गाड़ी भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई है। पुलिस ने उक्त मामले में आयुष जैन की शिकायत पर डिप्टी कमिश्नर की कार चला रहे मांगीलाल यादव पर प्रकरण दर्ज ?किया है। वहीं मांगीलाल यादव की शिकायत पर आयुष जैन पर प्रकरण दर्ज किया है। बताया गया कि आयुष व्यापारी हैं।

हरसिमरत विवादों में : अकाली दल के चुनाव चिन्ह की बाबा नानक की तकड़ी से की तुलना

» सिखों के पहले गुरु हैं श्री गुरुनानक देव जी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज पंजाब

पंजाब में अकाली दल की ख्क हरसिमरत कौर बादल नए विवाद में घिर गई हैं। उन्होंने अकाली दल के चुनाव चिन्ह की बाबा नानक की तकड़ी (तराजू) से तुलना कर दी। उन्होंने कहा कि अकाली दल का चुनाव चिन्ह भी उनके लिए बाबा नानक की तकड़ी से कम नहीं है। श्री गुरु नानक देव जी सिख धर्म के पहले गुरु थे। मोदी सरकार में मंत्री रह चुकी हरसिमरत ने यह बात

अबोहर में चुनाव प्रचार के वक्त कही। अकाली दल पंजाब में पंथ की राजनीति करती है। ऐसे में उसी सिख पंथ के पहले गुरु के बारे में विवादित टिप्पणी का लोग विरोध करने लगे हैं। बोहर में चुनावी रैली में पहुंची बठिंडा से सांसद हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि हमारा परिवार अहसानफरामोश नहीं है। लोगों के अहसान का मूल्य मोड़ने की पूरी कोशिश करते हैं। हमारे लिए अकाली दल के चुनाव चिन्ह तकड़ी गुरु नानक साब की तकड़ी से कम अहमियत नहीं रखती। यह तकड़ी हमें याद दिलाती है कि अगर आपने हम में विश्वास जताया है तो इसका मूल्य सौ गुना वापस मोड़ा जाए। यह पहली बार नहीं है, जब हरसिमरत कौर बादल ने विवादित टिप्पणी की हो। इससे पहले उन्होंने किसानों के साथ करीबी दिखाने के चक्कर में हिंदुओं पर तिलक-जनेऊ को लेकर टिप्पणी कर दी थी।

रिलायंस के उत्तराधिकार पर पहली बार बोले मुकेश अंबानी : कहा-

नई पीढ़ी लीडरशिप के लिए तैयार; आकाश, ईशा और अनंत हमसे बेहतर प्रदर्शन कर रहे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने अपने ग्रुप के उत्तराधिकार के मसले पर पहली बार बयान दिया है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी लीडरशिप के लिए तैयार है। आकाश, ईशा और अनंत हमसे बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

पारिवारिक समारोह में बोल रहे थे मुकेश अंबानी:- रिलायंस की नींव रखने वाले धीरूभाई अंबानी के जन्मदिन पर मुकेश अंबानी एक पारिवारिक समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा,

युवा पीढ़ी अब लीडरशिप की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। अब मैं उत्तराधिकार की प्रक्रिया को तेज करना चाहता हूं। हमें नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करना चाहिए। उन्हें सक्षम बनाना चाहिए। उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए और बैठकर तालियां बजानी चाहिए। अंबानी ने कहा, मैं हर दिन रिलायंस के लिए बच्चों के जुनून, कमिटमेंट और समर्पण को देख और महसूस कर सकता हूं। मैं उनमें वही आग और काबिलियत देखता हूं, जो मेरे पिता के पास लाखों लोगों के जीवन में बदलाव लाने और भारत के विकास में योगदान देने के लिए थी।

पहले से कहीं ज्यादा उज्वल भविष्य:- अंबानी ने कहा कि जैसे ही हम रिलायंस के स्वर्णिम दशक के दूसरे भाग में प्रवेश कर रहे हैं, मैं आपको बता सकता हूं कि हमारी कंपनी का भविष्य मुझे पहले से कहीं अधिक उज्जवल दिख रहा है। मैं विश्वास के साथ दो भविष्यवाणियां कर सकता हूं। सबसे पहले, भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन जाएगा। दूसरा, रिलायंस दुनिया की सबसे मजबूत और सबसे प्रतिष्ठित भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों में से एक बन जाएगी।

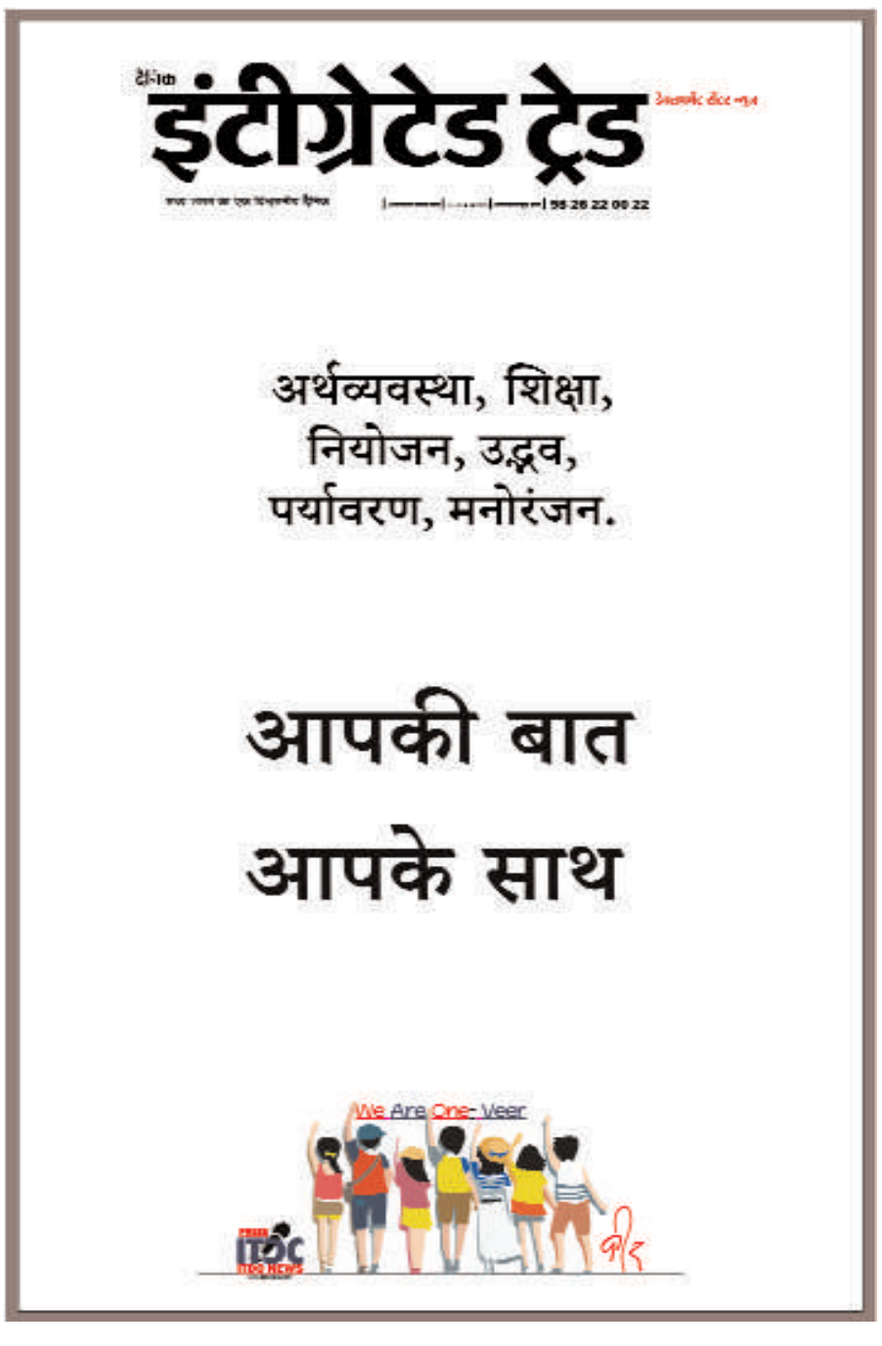

पंचायत चुनाव कैंसिल, भोपाल में ट्रेनिंग पर गफलत:मोबाइल पर मैसेज न मिलने से सेंटरों पर पहुंचे कर्मचारी, बोले-

ट्रेनिंग कैंसिल हुई, हमें पता ही नहीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्यप्रदेश में पंचायत चुनाव कैंसिल हो चुके हैं, लेकिन इसकी ट्रेनिंग को लेकर भोपाल में बुधवार सुबह सैकड़ों कर्मचारी गफलत में पड़ गए। मोबाइल पर मैसेज न मिलने से कर्मचारी ट्रेनिंग लेने के लिए सेंटरों पर पहुंचे। तब पता चला कि अब ट्रेनिंग नहीं होगी। उनका कहना था कि ट्रेनिंग कैंसिल कर दी गई, इस बारे में हमें जानकारी नहीं दी गई। इधर, अफसरों का तर्क है कि रात में ही मोबाइल पर मैसेज भेज दिए गए थे। चुनाव होंगे या नहीं, इसे लेकर 28 दिसंबर सुबह तक सस्पेंस रहा था। इसी बीच करीब 3800 अधिकारी-कर्मचारियों की 3 दिन की ट्रेनिंग भी शुरू हो गई। हालांकि, देर शाम चुनाव आयोग ने पंचायत चुनाव को लेकर फैसला ले लिया और चुनाव कैंसिल कर दिए गए

थे। इसके पहले ही अधिकांश अधिकारी-कर्मचारियों के पास 29 दिसंबर को सुबह 10.30 से शाम 4 बजे तक ट्रेनिंग होने के मैसेज पहुंच गए थे। इसलिए कई कर्मचारी बुधवार सुबह 10 बजे से ही सेंटरों पर पहुंच गए। जहां उन्हें पता चला कि अब ट्रेनिंग नहीं होगी, लेकिन नाराजगी इस बात से थी कि इसकी जानकारी उन्हें पहले नहीं दी गई।

4 सेंटरों पर थी ट्रेनिंग

28 दिसंबर से गांधी मेडिकल कॉलेज, मॉडल हायर सेकंडरी स्कूल टीटी नगर, शासकीय कमला नेहरू कन्या उमावि टीटी नगर और कुक्कुट भवन वैशाली नगर में ट्रेनिंग शुरू हुई थी। दूसरे दिन 29 दिसंबर को 1200 से अधिक कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी जाना थी। ट्रेनिंग को लेकर हुई गफलत के बीच जिला पंचायत सीईओ विकास मिश्रा ने कहा कि चुनाव कैंसिल होने से मंगलवार रात में ही कर्मचारियों को मैसेज भिजवा दिए थे। हो सकता है कि कई ने मैसेज नहीं देखा हो और गफलत के चलते वे सेंटरों पर पहुंचे हो। सेंटरों पर भी हमने सूचना चस्पा दी थी।

आईटीडीसी

Classifieds

वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

एयरपोर्ट रोड पंचवटी कॉलोनी में नवनिर्मित 2 BHK फ्लैट बेचना है, कवर्ड केम्पस में सेपरेट पार्किंग, लिफ्ट, फाल- सीलिंग, मोड्यूलर किचिन, 24घंटे पानी, सर्वसुविधायुक्त 9827062212, 8982702122

फ्लैट बेचना है 3 BHK,1856 वर्गफीट थर्ड फ्लोर, गार्डन/ स्विमिंगपुल, फेसिंग कोरलवुड की प्राइम लोकेशन मेन होशंगाबाद रोड पर कीमत 60 लाख संपर्क 9630058868

बेचना है माकन 1500 वर्गफीट बना, पत्रकार कॉलोनी में, कर पार्किंग सुविधा, लिंक रोड के पीछे, रीजनेबल रेट, संपर्क करे- 9098743006, 9300718467

For sale 1200/2100 Sqft Commercial Plots on 200ft Rode & 80ft @ Bagmugaliya Near Aashima mall & 968/1452 sqft @ Misrod Phase-2, BDA. Chugh Syndicate Property Pvt Ltd- 7000122016, 9425666664

बेचना है 22600 वर्गफीट प्लाट कमर्शियल मैन 80 फिट रोड बागमुगलिया, आशिमा मॉल के पास डायवर्सन बी.डी.ए, एन.ओ.सी. सहित मात्र 2000 रुपये वर्गफुट संपर्क 8109337747, 9425377426

वगफीट प्लाट कमर्शियल मैन 80 फिट रोड बागमुगलिया, आशिमा मॉल के पास डायवर्सन बी.डी.ए, एन.ओ.सी. सहित मात्र 2000 रुपये वर्गफुट संपर्क 8109337747, 9425377426

बेचना है अरविन्द विहार बागमुगलिया में 2400 sqft पर बना शानदार बंगला शीघ्र बेचना है संपर्क करे- 9993176488, 9826039606

बेचना है कर्मशियल परमिशन स्पेस 2400 पर 8500 वर्गफुट बना, राजीव गाँधी नगर , अयोध्या बाइपास रोड भोपाल , पार्क फेसिंग हॉस्पिटल/ गेस्टहाउस हेतु उपयुक्त 6264244558,8269287852

For sale 968/1452/4305 Sqft Plots at Misrod Phase 1-2 3 BHK Flat 1417 Sqft For Sale at Coral Woods Hoshangabad road. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. – 7000122016, 9425666664

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

किराये से देना है फर्स्ट फ्लोर पर नवनिर्मित फ्लैट 2 बेडरूम, 1 हॉल, किचिन, 2 बालकनी कवर्ड केम्पस लाइफस्टाइल ब्लू, आकृति ग्रीन के सामने, सलैया संपर्क - 9926453501, किराया - 7500/-प्रति महा एवं प्रति महा 1260/- सोसाइटी मेंटेनेस

Luxury 3 BHK Singlex fully furnished in Trilanga colony Rent 23000/- Contact- 8962643902.

37 वैशाली नगर कोटरा भोपाल का प्रथम तल, तीन कमरे, हॉल किराये से देना है किराया 14000 शर्मा लॉ चेंबर पुरानी विधानसभा संपर्क – 7000035422

For Rent 2bhk fully furnished in Gulmohar Colony Rent 15000/- Contact@8962643902

E-3/258 अरेरा कोलोनी में ग्राउंड फ्लोर पर 2BHK, 1BHK अलग–अलग फेमिली हेतु किराये से देना है संपर्क:- 7000735468, 9425601374(कावलकर)

किराये से -3 BHK फ्लेट Lakeview प्राइम लोकेशन Kohefiza में लिफ्ट, पानी, पार्किंग, किचिन, सर्व सुविधालयुक्त, 8817437959

४BHK platinum Plaza माता मंदिर, Orange 64, 5th फ्लोट, लिफ्ट सुविधा बैंक या शासकीय कर्मचारी की प्राथमिक, संपर्क करे 9893303141

किराये से देना है प्रथम मंजिल पर होल करीब 2500 वर्गफीट सराफा बाजार बेरागढ़ में जिम, कोचिंग हेतु उपुक्त 9303132326, 7374498931

MAHADEV PROPERTY CONSULTANT:WE Require 1200/2100 sqft Commerical and 1000/1200/1500/2100sqft Residential Plot in Danishkunj and 1000/1500/2100sqft Residential Plot in danishhills, 9425008779

१st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

ITDC आवश्यकता

आवश्यकता है रियल स्टेट कंपनी कोलार में अनुभवी स्टाफ की सेल्स मैनेजर (15k) एग्जीक्यूटिव (10k) सेलरी + इंसेंटिव कार्यालय M.H. इन्फ्रा चूना भट्टी भोपाल मो. 9302555495, 9826533189

Job Openings in waaree Energies Limited, 8140106217, 8369888296 www.waaree.com

Required Sales staff (female) store manager (male) cashier (male) for imitation jewellery store at newmarket. Age minimum25 yrs. Send your resume WhatsApp at 9343529570.

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLANCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC आवश्यकता

Required Marketing Executives for Hyderabad based MFG organization. Willing to travel MP, UP., Chhattisgarh, Orissa, West Bengal & North India. Handsome Salary+ Attractive Incentives. Please mail CV to: Info@premierindustries.net

Required School Development Manager (Sales) on Fixed & Incentive basis. Location– Guna, Rajgharh, Sehore, Vidisha & Bhopal. 8850388123

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क DK3/1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN
60
SECONDS
AIR
TRAIN
BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

खबर की खबर

बॉलीवुड के अनकहे किस्से

हेमा मालिनी के मन में बचपन से ही भगवान कृष्ण के प्रति अपार श्रद्धा थी। एक तमिल फ़िल्म निर्माता द्वारा अपनी फ़िल्म में लेने और कुछ समय बाद बिना बताए निकाल देने के बाद महसूस हुए अपमान के बाद उन्होंने श्री कृष्ण से ही इस अपमान की भरपाई करने की प्रार्थना की थी और कुछ दिनों बाद ही उन्हें अपनी पहली फ़िल्म सपनों का सौदागर मिल गई थी। कुछ समय बाद जब उनकी गुरु इंदिरा मां ने उन्हें किसी फ़िल्म में कृष्ण भक्त मीरा का रोल करने को कहा तो मानो उन्हें मन की मुराद मिल गई।

इस बीच फ़िल्म निर्माता प्रेमजी उनके पास आए तो हेमा ने उनके सामने अपने मन की बात रखी।

प्रेमजी तुरंत तैयार हो गए और उन्होंने गुलज़ार को लेखक और निर्देशक के रूप में अनुबंधित कर लिया। लेकिन "मीरा" फ़िल्म के मुहूर्त वाले दिन से ही फिल्म बनाने में नई नई परेशानीयाँ आने लगीं। सबसे बड़ी मुश्किल यह हुई कि लता मंगेशकर ने फिल्म में गाना गाने से मना कर दिया।

कारण यह था कि उन्होंने हाल ही में मीरा के भजन वाली एक प्राइवेट एल्बम तैयार की थी और वह उसके निर्माताओं को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहती थीं और मीरा के भजनों को दोबारा भी नहीं गाना चाहती थीं। लताजी के कारण संगीतकार लक्ष्मीकांत प्यारेलाल भी फ़िल्म से हट गए क्योंकि वे लताजी के बगैर काम करना नहीं चाहते थे।

तब पंडित रविशंकर को इस फिल्म के संगीत के लिए तैयार किया गया और उन्होंने वाणी जयराम को गाने के लिए तैयार किया लेकिन हेमा मालिनी इस बड़े बदलाव के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं थी क्योंकि अभी तक उनकी सारी फिल्मों के लिए उनके गीत लता जी ने ही गाए थे और उनके व्यक्तित्व पर उनकी आवाज बहुत फबती भी थी। उन्होंने लता जी से निजी तौर पर मिलकर भी बात की लेकिन वह इसके लिए तैयार नहीं हुई।दूसरी मुश्किल एक अच्छे कॉस्टयूम डिजाइनर को ढूंढने की थी क्योंकि मीरा की विश्वसनीयता के लिए जरूरी था कि उस काल का पहनावा बहुत सावधानी के साथ तैयार किया जाए क्योंकि एक राजकुमारी से, कृष्ण भक्ति में रंक बनने की यात्रा में उनके कपड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका थी।

उनकी श्रद्धा भक्ति और भव्यता को भी बनाए रखें जाने के लिए यह ज़रूरी था। यह तलाश पूरी हुई प्रख्यात कॉस्टयूम डिजाइनर भानु अथैया के रूप में। (आगे चलकर तो उन्हें गांधी फ़िल्म के लिए ऑस्कर अवार्ड मिला) इस फिल्म के लिए उन्होंने मीरा के जीवन के अलग-अलग चरणों के लिए अलग-अलग शेड्स के कपड़े तैयार किए। इतना ही नहीं उन्होंने गले में पहनने वाली तुलसी माला का आकार और उसकी लंबाई भी तय की।

अगली बड़ी परेशानी हुई फ़िल्म में उनके पति राणा साहेब की भूमिका के लिए नायक चुनने में। क्योंकि यह एक कमजोर पुरुष का चरित्र था इसलिए इसे कोई नहीं करना चाहता था।

अंतत: विनोद खन्ना इस भूमिका के लिए तैयार हुए जिन्होंने हाल ही में गुलज़ार के साथ अपनी पहली फ़िल्म "मेरे अपने" की थी। एक समस्या हेमा मालिनी को दिया जाने वाला मेहनताना भी था। वे उस समय की बड़ी स्टार थीं। इसका हल निकाला गया उनको प्रतिदिन काम के हिसाब से पैसे देने के रूप में।फिल्म 1979 में रिलीज हुई। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर यह फ़िल्म खास सफल नहीं रही। असफलता का एक कारण शायद यह था कि आम जनता के मन में मीरा की छवि केवल एक संत की थी और मीरा के पिछले जीवन के बारे में उनको न ज्यादा पता था और न वह जानना चाहते थे। जबकि हेमा को अपने द्वारा की गई सभी फिल्मों में "मीरा" आज भी सबसे ज्यादा पसंद है।

उन्हें इसका क्लाइमैक्स वाला सीन बहुत पसंद है जहां मीरा जंजीरों से बंधी हुई है और उन्हें राज दरबार में पेश किया जाता है। जब वे दरबार में प्रवेश करती है और उनकी विशालकाय छाया गुरु के ऊपर पड़ती है और वह डर जाते हैं।

चलते चलते

इस फ़िल्म में शम्मी कपूर ने मीरा के पिता राणा राठौर की भूमिका निभाई थी जबकि 1971 में आई फिल्म "अंदाज" में हेमा उनकी नायिका थीं यानि उनके साथ उनकी जोड़ी का यह अंत था तो विनोद खन्ना के साथ नई जोड़ी की शुरुआत। हां एक बात और प्रतिदिन शूटिंग खत्म होने के बाद हेमा को जो लिफाफा मेहनताने के रूप में प्रेमजी दिया करते थे वह उसे बिना खोले अलमारी में रख देती थी। भगवान श्री कृष्ण के प्रति अपनी श्रद्धा और गुरु मां के प्रति प्यार के कारण इस फ़िल्म के लिए जो भी राशि उन्हें मिली उन्होंने उसे आशीर्वाद समझ कर अपने पास रख लिया और आज तक खर्च नहीं किया है।

न्यूज ब्रीफ

प्रदीप कुमार रावत के समक्ष हिमालय जैसी चुनौती

नई दिल्ली। वर्ष 1990 में भारतीय विदेश सेवा में शामिल होने के बाद से प्रदीप कुमार रावत की कामकाजी जिंदगी में चीन की प्रधानता रही है। वह न केवल धाराप्रवाह मंदारिन बोलते हैं, बल्कि उन्होंने चीन का अध्ययन करते हुए करीब 20 साल बिताए हैं। वह नीदरलैंड से पेइचिंग जाएंगे, लेकिन नीदरलैंड में अपने छोटे-से कार्यकाल के दौरान भी उन्होंने लीडेन विश्वविद्यालय में दक्षिण एशियाई और तिब्बती अध्ययन संस्थान का दौरा करने को लक्ष्य बना लिया था। यह उस लड़के के लिए एक बड़ी छलांग है, जिसने जीवन की शुरुआत यह मानकर की थी कि वह इंजीनियर बनेगा- रावत ने वर्ष 1982 से 87 तक कुरुक्षेत्र के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में यांत्रिकी इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। जब रावत चीन से दो-चार नहीं हो रहे थे, तो तब उन्होंने बतौर राजदूत इंडोनेशिया और तिमोर-लेस्ते में सेवा की। कुछ समय उन्होंने दिल्ली में दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय में पढ़ाया। पेइचिंग में रावत ने विक्रम मिसरी की जगह ली है, जिनका तीन साल का कार्यकाल था और संभवत: एक भी दिन चुनौतियों के बिना नहीं रहा। पिछले साल जून में गलवान संघर्ष, जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे, सीमा पर तनाव का चरम बिंदु था। वह वर्ष 2017 में डोकलाम में 73-दिवसीय गतिरोध के बाद से तीन साल से भी अधिक समय से पनप रहा था। वर्ष 2014 से 2017 तक संयुक्त सचिव (पूर्वी एशिया) के रूप में यह रावत ही थे, जिन्होंने बढ़ती सैन्य गतिविधि का सामना किया और बातचीत के माध्यम से इसे कम करने में भी मदद की। द्विपक्षीय संबंध संभवत: उनके निम्नतम स्तर पर हैं। रावत परखने की स्थिति में हैं, क्योंकि उन्होंने बेहतर दिन भी देखे हैं। ब्रिटेन द्वारा चीन को हॉन्गकॉन्ग वापस करने वाले अशांत दिनों के दौरान उन्हें वर्ष 1992 और 1997 के बीच हॉन्गकॉन्ग और फिर पेइचिंग में नियुक्त किया गया था, जिससे तीन साल के लिए पूर्वी एशिया डिवीजन में काम पर वापसी हुई। वर्ष 2003 के दौरान पेइचिंग में दूसरा चार वर्षीय कार्यकाल रहा, शुरुआत में सलाहकार के रूप में और फिर उसके बाद डिप्टी चीफ ऑफ मिशन के रूप में। वर्ष 2003 में विशेष प्रतिनिधियों की नियुक्ति और वर्ष 2005 में राजनीतिक मापदंडों तथा मार्गदर्शन करने वाले सिद्धांतों पर एक समझौते के साथ सीमा संबंधी विषय पर दो खास चीजें हुईं। वह दो साल बाद ताइवान चले गए। अगले चार साल के लिए भारत-ताइपे संघ के प्रमुख, द फैक्टो ऐंबेसडर, के रूप में सेवा के लिए। इससे उनका करियर प्रोफाइल बहुत विशिष्ट बन जाता है। पेइचिंग में भारत के राजदूतों को शायद ही कभी, ताइपे में भी सेवा करने का अनुभव मिला हो। भारत ताइवान के साथ अपने संबंधों को बहुत सावधानी से आगे बढ़ा रहा है, जिससे चीन को काफी चिढ़ हो रही है। इस साल की शुरुआत में दो सांसदों-मीनाक्षी लेखी और राहुल कस्वां ने ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग-वेन के आभासी शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया था।हालांकि संसद के शीतकालीन सत्र में विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने स्पष्ट किया है कि भारत के ताइवान के साथ औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं और दोनों पक्षों में केवल व्यापार और व्यक्ति से व्यक्ति के बीच संबंध हैं, लेकिन सबसे सहज राजनयिक गतिविधि को भी पेइचिंग द्वारा बारीकी से देखा जाता है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला:बीमा करने के बाद मेडिक्लेम खारिज नहीं कर सकती बीमा कंपनी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बीमा कंपनियां व्यक्ति की मौजूदा बीमारी का हवाला देकर क्लेम देने से मना नहीं कर सकेंगी। सुप्रीम कोर्ट ने बीमा क?लेम के एक मामले में कहा है कि कोई बीमाकर्ता पॉलिसी जारी होने के बाद प्रपोजल फॉर्म में बीमाधारक द्वारा बताई गई मौजूदा मेडिकल कंडीशन का हवाला देकर किसी दावे को खारिज नहीं कर सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एक बार बीमा करने के बाद बीमा कंपनी प्रपोजल फॉर्म में बताई व्यक्ति की वर्तमान मेडिकल कंडीशन का हवाला देकर क्लेम देने से मना नहीं कर सकती।

सही जानकारी देना बीमा लेने वाले की जिम्मेदारी:- जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस बी.वी. नागरत्ना की पीठ ने कहा, बीमा लेने वाले व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि

वह अपनी जानकारी के मुताबिक सभी तथ्यों को बीमा कंपनी को बताए। यह माना जाता है कि बीमा लेने वाला व्यक्ति प्रस्तावित बीमे से जुड़े सभी तथ्यों और परिस्थितियों को जानता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हालांकि बीमा लेने वाला व्यक्ति प्रपोजल फॉर्म में केवल वही बात सकता है, जो उसे पता हो। पीठ ने अपने फैसले में कहा, एक बार बीमाधारक की मेडिकल कंडीशन का आकलन करने के बाद पॉलिसी जारी कर दी जाए तो बीमाकर्ता मौजूदा चिकित्सा स्थिति का हवाला देते हुए दावे को अस्वीकार नहीं कर सकता है, जिसे बीमाधारक ने प्रपोजल फॉर्म में बताया था।

क्या है पूरा मामला?

सुप्रीम कोर्ट मनमोहन नंदा द्वारा राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के एक आदेश के खिलाफ दायर एक अपील पर सुनवाई कर रही थी। उसमें अमेरिका में हुए मेडिकल खर्च के लिए क्लेम करने संबंधी उनके आवेदन को खारिज कर दिया गया था। नंदा ने 'ओवरसीज मेडिक्लेम बिजनेस एंड हॉलिडे पॉलिसी'ले रखी थी, क्योंकि उनका इरादा अमेरिका की यात्रा करने का था। सैन फ्रांसिस्को एयरपोर्ट पर पहुंचने पर, उन्हें दिल का दौरा पड़ा और उन्हें एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में उनकी एंजियोप्लास्टी की गई और हार्ट की कोरोनरी ऑटरीज में रुकावट को दूर करने के लिए तीन स्टेंट डाले गए। इसके बाद, अपीलकर्ता ने बीमाकर्ता से इलाज पर हुआ खर्च मांगा। जिसे यह कहते हुए खारिज कर दिया गया कि अपीलकर्ता को हाइपरलिपिडिमिया और डायबिटीज थी, जिसका खुलासा बीमा पॉलिसी खरीदते समय नहीं किया गया था। NCDRC ने फैसला किया कि चूंकि शिकायतकर्ता स्टेटिन दवा ले रहा था, जिसका मेडिक्लेम पॉलिसी खरीदते समय खुलासा नहीं किया गया था, इस तरह वह अपने स्वास्थ्य की स्थिति का पूरा खुलासा करने के अपने कर्तव्य का पालन करने में विफल रहा। शीर्ष अदालत ने कहा कि यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी द्वारा दावे को खारिज करना गलत है। इसने कहा कि मेडिक्लेम पॉलिसी खरीदने का उद्देश्य अचानक बीमारी या बीमारी के संबंध में क्षतिपूर्ति की मांग करना है।

एपल ने बताई फूड पॉइजनिंग की वजह

खाने और रहने की व्यवस्था में हुई गड़बड़ी, प्लांट बंद होने के बावजूद कर्मचारियों को मिलेगी सैलरी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

एपल के फॉक्सकॉन में पिछले हफ्ते फूड पॉइजनिंग की समस्या के बाद कंपनी ने एक बयान जारी किया है। कंपनी ने माना है कि कर्मचारी जिन हॉस्टल में रहते हैं और खाना खाते हैं वहां पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। साथ ही ये जरूरी मानकों को भी पूरा नहीं करते हैं। कंपनी का यह बयान 250 से ज्यादा महिलाओं को फूड पॉइजनिंग की दिक्कत होने के बाद आया है। यह गड़बड़ी चेन्नई के श्रीपेरंबुदूर शहर में फॉक्सकॉन प्लांट में देखी गई थी। जिसकी वजह से ताइवान की कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के प्लांट में प्रोडक्शन 18 दिसंबर को रोक दिया गया था।

कंपनी जरूरी स्टैंडर्ड तय करेगी

फॉक्सकॉन ने बुधवार को कहा कि वह अपनी लोकल मैनेजमेंट टीम को फिर से बना रही है ताकि यह तय हो सके कि वह जरूरी स्टैंडर्ड को लागू कर सके। कंपनी इसके लिए तुरंत एक्शन भी ले रही है। ताकि इस तरह की दिक्कत दोबारा देखने को न मिले। कंपनी का कहना है कि प्लांट बंद होने के बावजूद सभी कर्मचारियों को सैलरी मिलती रहेगी। एपल के एक प्रवक्ता ने कहा कि उसने डॉर्मिटरी में स्थितियों का आकलन करने के लिए स्वतंत्र लेखा परीक्षकों को फॉक्सकॉन श्रीपेरंबदूर में खाने की सुरक्षा और वहां रहने की अच्छी व्यवस्था के लिए जरूरी कदम उठा रहे हैं।

फॉक्सकॉन प्लांट में ही आईफोन की मैन्यूफैक्चरिंग

फॉक्सकॉन वही फैक्टरी है जहां आईफोन 12 मॉडल बनाया जाता है। एपल ने हाल ही में कारखाने में अपने प्रमुख आईफोन 13 के भी प्रोडक्शन की टेस्टिंग शुरू की थी। कंपनी के फरवरी तक डोमेस्टिक और एक्सपोर्ट दोनों के लिए भारत में इस मॉडल का कॉमर्शियल प्रोडक्शन शुरू करने की उम्मीद है। एपल भारत में अपने आईपैड टैबलेट की असेंबली लाने की भी योजना बना रहा है। भारत मैक्सिको और वियतनाम जैसे देशों में से है, जो अमेरिकी ब्रांड्स की सप्लाई करने वाले कंट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर के लिए जरूरी बन रहे हैं। इसके साथ ही चीन-अमेरिका के बढ़ते तनाव के बीच भारत चीन पर अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहा है।

तमिलनाडु सरकार ने बेहतर सुविधा देने को कहा

चेन्नई की घटना के बाद तमिलनाडु सरकार के अधिकारियों ने कंपनी और उसके 11 ठेकेदारों के साथ बैठक की। सरकार ने फॉक्सकॉन से हालात की समीक्षा करने और कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं देने का निर्देश दिया है। इन सुविधाओं में आवासीय परिसरों में पावर बैकअप, खाना और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं को शामिल किया गया है। डायरेक्टोरेट ऑफ इंडस्ट्रियल सेफ्टी ऐंड हेल्थ ने कर्मचारियों के लिए हॉस्टल में टीवी, पुस्तकालय और गेम जैसी सुविधाएं मुहैया कराने की भी सिफारिश की है।

साल-दर-साल पर्सनल लोन हो रहा छोटा, औसत आकार तीन साल में 1 लाख घटा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश में पर्सनल लोन का औसत आकार (टिकट साइज) साल-दर-साल घट रहा है। इसे कोविड का साइड इफेक्ट नहीं माना जा सकता क्योंकि यह ट्रेंड 2018 से ही जारी है। बीते तीन सालों में पर्सनल लोन का एवरेज टिकट साइज करीब 1 लाख रुपए घटकर 1,86,338 रुपए रह गया है। 2018 में लोग औसतन 2,80,973 रुपए का पर्सनल लोन ले रहे थे। पर्सनल लोन के आकार में सबसे बड़ी गिरावट 45-58 आय वर्ग में आई है। इस आयु वर्ग के लोग 2018 में औसतन 3,75,662 रुपए का पर्सनल लोन ले रहे थे, लेकिन इस साल इस कैटेगरी में पर्सनल लोन का एवरेज टिकट साइज 48.56 फीसदी घटकर 1,93,240 रुपए रह गया। इस मामले में सबसे कम 30 फीसदी गिरावट 25 से ज्यादा उम्र के पर्सनल लोन ग्राहकों के एवरेज टिकट साइज में साइज में आई।

बढ़ते एनपीए के चलते सख्त हुई क्रेडिट पॉलिसी

एक बड़े बैंक के अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि हाल के सालों में एनपीए यानी ऐसे लोन बढ़ रहे हैं, जिनकी वसूली नहीं हो पा रही है। इसके चलते बैंकों को क्रेडिट पालिसी सख्त करनी पड़ी है। पर्सनल लोन अनसिक्योर्ड लोन है, जिसमें रिस्क ज्यादा होता है। इसलिए इसमें कमी आ रही है।

बाई नाऊ पे लेटर का बढ़ रहा चलनः आदिल शेट?टी

बैंक बाजार डॉट कॉम के सीईओ आदिल शेट्टी ने कहा कि देश में बाई नाऊ, पे लेटर (बीएनपीएल)तेजी से बढ़ रहा है। यह रिवॉल्विंग क्रेडिट है, जिसे बार-बार इस्तेमाल किया जा सकता है। इसे लेना भी आसान है। इसके चलते भी पर्सनल लोन लेने वालों की संख्या घट रही है।

एमवे जैसी डायरेक्ट सेलिंग कंपनियों पर शिकंजा, पिरामिड और मनी सर्कुलेशन स्कीम पर सरकार ने रोक लगाई

» नेटवर्किंग के जरिए नहीं बेच सकेंगे प्रोडक्ट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने मंगलवार को एमवे, ओरिफ्लेम और टपरवेयर जैसी डायरेक्ट सेलिंग वाली कंपनियों की पिरामिड और मनी सर्कुलेशन स्कीम पर रोक लगा दी। डायरेक्ट सेलिंग का मतलब है सीधे ग्राहकों को सामान बेचना। वहीं पिरामिड स्कीम का मतलब नेटवर्क मार्केटिंग है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय की ओर से मंगलवार को %द कंज्यूमर प्रोटेक्शन (डायरेक्ट सेलिंग) रूल्स 2021% नोटिफाई किए गए हैं। कंपनियों को नए नियमों का 90 दिनों के भीतर अनुपालन करना होगा। पिरामिड स्कीम और डायरेक्ट सेलिंग एक जैसे ही लगते हैं, लेकिन फर्क प्रोडक्ट को लेकर आता है। डायरेक्ट सेलिंग में पैसे प्रोडक्ट

खरीदने के देने होते है, और पिरामिड स्कीम में जॉइनिंग फीस के नाम पर पैसे मांगे जाते हैं। ई-कॉमर्स सेलर भी नियमों के दायरे में नोटिफाई किए गए नियमों में कहा गया है कि राज्य सरकारों को सीधी बिक्री से जुड़ी कंपनियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए व्यवस्था बनानी होगी। नियमों के दायरे में डायरेक्ट सेलिंग कंपनियों के अलावा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर सीधे ग्राहकों को क्या है पिरामिड स्कीम?

पिरामिड स्कीम एक तरह का मल्टी लेयर्ड नेटवर्क होता है। इस स्कीम में एक व्यक्ति अन्य व्यक्तियों को जोड़ता है। नए व्यक्ति को जोड़ने पर उसे डायरेक्ट या इनडायरेक्ट रूप से कोई न कोई बेनिफिट मिलता है इस स्कीम में मनी-सर्कुलेशन यानी पैसे को घुमाया जाता है, जिसमें नए जुड़े लोगो का पैसा पुराने लोगो को मिलता है। पिरामिड के नीचे वाले लोगों को अक्सर इसमें लॉस उठाना पड़ता है। पिरामिड स्कीम पर भारत समेत अधिकतर देशों में पाबंदी है। लेकिन, ये कंपनियां सीधे पैसों का सर्कुलेशन न कर अपने प्रोडक्ट के जरिए मनी सर्कुलेशन करती है। इस वजह से सरकार ने इस पर बैन लगाने का फैसला किया है।

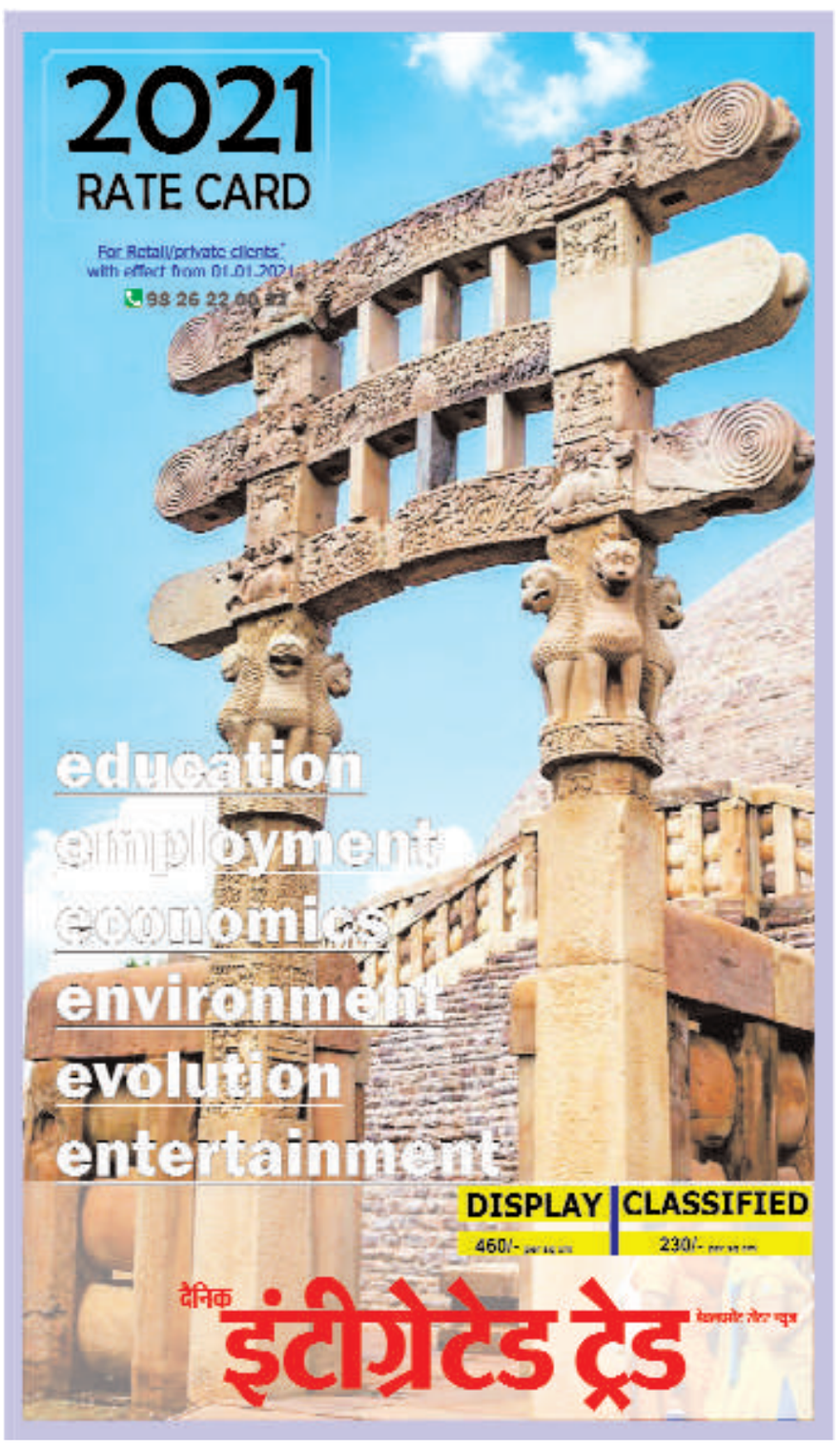

अमरता की खोज और मनुष्यता

मृत्यु एक ऐसी सच्चाई है, जो हमें डराती भी है और नए रहस्यों कि खोज में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देती है। हालांकि, आज का आधुनिक विज्ञान एक ऐसी दिशा में आगे बढ़ रहा है, जो हमें शायद भविष्य में अमर बना दे। ऐसे में कई सवाल उठते हैं आखिर अमरता है क्या? उस समाज की संरचना कैसी होगी जहां पर कोई व्यक्ति प्राकृतिक तौर पर मरता नहीं है? उस समाज की अर्थव्यवस्था का रूप कैसा होगा? वहां रिश्ते और सम्बन्ध किन आधारों पर टिके होंगे? पिछले कुछ सालों में विज्ञान के विकास ने हमारी औसत उम्र में कई गुना इजाफा किया है। आज जिस तेजी से बायोलॉजी और फिजिक्स में खोजें हो रही हैं, हो सकता है कि आने वाले समय में वैज्ञानिक कुछ ऐसा ढूंढ निकालें, जो हमारी उम्र को आज के मुकाबले कई गुना ज्यादा बढ़ा दे। मॉर्गन फ्रीमैन के लोकप्रिय शो थ्रू द वर्महोल में मशहूर वैज्ञानिक मिचिओ काकू बताते हैं कि इस सृष्टि की सभी चीजों पर थर्मोडायनामिक्स का दूसरा नियम लागू होता है। इस नियम के अंतर्गत चीजें धीरे-धीरे आर्डर से डिसऑर्डर की तरफ बढ़ती हैं। अर्थात एक समय वो नई होती हैं, धीरे धीरे उनमे जंग लगता है और अंत में वो समाप्त हो जाती हैं। हमारी मृत्यु भी इसी प्रक्रिया के तहत घटित होती है। एक समय हम जन्म लेते हैं, धीरे-धीरे जवान होते हैं और अंत में मर जाते हैं। इस पूरी प्रक्रिया को एंट्रोपी के प्रिंसिपल के नाम से जाना जाता है। आज वैज्ञानिकों ने इस एंट्रोपी के भीतर एक बहुत बड़ा लूपहोल ढूंढ निकाला है। उनके मुताबिक अगर हम किसी चीज की बढ़ती एंट्रोपी पर बाहर से कुछ ऐसा प्रभाव डालें, जिसकी मदद से उसकी अव्यवस्था को रोका जा सके या कहें उसे डिसऑर्डर से दोबारा आर्डर में लाया जा सके। तब शायद हम किसी चीज को खत्म होने से रोक सकते हैं? अगर यही प्रक्रिया हम इंसानों पर करें, तो शायद हम मृत्यु के साथ भी धोखा कर सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे?

इस पूरी प्रक्रिया को एंट्रोपी के प्रिंसिपल के नाम से जाना जाता है। आज वैज्ञानिकों ने इस एंट्रोपी के भीतर एक बहुत बड़ा लूपहोल ढूंढ निकाला है। उनके मुताबिक अगर हम किसी चीज की बढ़ती एंट्रोपी पर बाहर से कुछ ऐसा प्रभाव डालें, जिसकी मदद से उसकी अव्यवस्था को रोका जा सके या कहें उसे डिसऑर्डर से दोबारा आर्डर में लाया जा सके।

हमारे सेल के पावर हाउस कहे जाने वाले माइटोकॉन्ड्रिया दो मेम्ब्रेन के स्ट्रक्टर होते हैं। ये शरीर को ऊर्जा देने का काम करते हैं। हालांकि, जैसे जैसे ये माइटोकॉन्ड्रिया कमजोर होते हैं, वैसे वैसे शरीर बूढ़ा होता चला जाता है। एक वक्त ऐसा आता है, जब शरीर का ये पावर इंजन पूरी तरह ठप पड़ जाता है। उस स्थिति में इंसान की मृत्यु होती है। हमारे शरीर के हर एक सेल में कई माइटोकॉन्ड्रिया होते हैं। अमर होने के लिए सबसे पहले हमें माइटोकॉन्ड्रिया की एंट्रोपी को रोकना होगा। अर्थात सेल के धीमे होते इस पावरहाउस में हमेशा के लिए जान फूंकनी होगी। ये काफी जटिल काम है। वहीं दूसरी तरफ भविष्य ऐसी कई सम्भावनाएं लेकर खड़ा है, जो हमें ये करने की उम्मीद देता है। मशहूर लेखक मैक्स टैगमार्क अपनी पुस्तक लाइफ 3.0 में जीवन को 3 चरण में बांटते हैं। पहले में वो बैक्टीरियल लाइफ और इवॉल्व होते प्राणियों को रखते हैं। दूसरे चरण में वे आज के विकसित इंसानों को रखते हैं। टैगमार्क के मुताबिक हमारे जीवन का जो तीसरा चरण आने वाला है, वो बायोलॉजिकल न होकर टेक्निकल होगा। उनके अनुसार हमारे जीवन का जो अगला विकास होगा, उसमें हम मशीनों को अपने अंगों के रूप में इस्तेमाल करेंगे। जीवन के विकास का ये चरण अब शुरू भी हो चुका है। विश्व भर में कई लोग आर्टिफिशियल दिल या कहें पेसमेकर जैसे डिवाइस के सहारे जिंदा हैं। ब्रेन चिप जैसी अवधारणा अब वास्तविक जीवन में नया रूप ले रही है। ऐसे में उनके मुताबिक हमारी क्रमागत उन्नति आने वाले समय में बायोलोजिकल न होकर टेक्निकल होने वाली है। हम आने वाले वक्त में इंसान से साईबोर्ग बन जाएंगे।

संपादकीय

ओमिक्रॉन का सामना करने को सेवाओं का निर्यात

माल का भौतिक उत्पादन जिस देश में होता है यदि वह देश निर्यात न कर सके तो आयात करने वाले दूसरे देश पर संकट आ पड़ता है। इसलिए कोविड के कारण सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था चरमरा रही है। तुलना में सेवा क्षेत्र की स्थिति अच्छी है। कारण यह है कि सेवायें जैसे आनलाइन ट्यूशन, टेली मेडिसिन, अनुवाद, सिनेमा, संगीत, साफ्टवेयर, इत्यादि के माल की ढुलाई समुद्री अथवा हवाई जहाज से करने की जरूरत नहीं होती है। इसकी ढुलाई इन्टरनेट के माध्यम से हो सकती है। अतः किसी देश में यदि लाकडाउन लगा भी है तो कर्मी अपने घर में बैठकर इंटरनेट से इनका उत्पादन और सप्लाई अनवरत कर सकते हैं। कोविड के ओमिक्रॉन वैरिएंट के उत्पन्न होने से एक बार पुनः विश्व अर्थव्यवस्था पर संकट आ पड़ा है। अलग-अलग देशों में अलग-अलग समय पर लाकडाउन की स्थिति बन रही है। ऐसी स्थिति में जो देश दूसरे देशों से कच्चे माल के आयात अथवा उत्पादित माल के निर्यात पर निर्भर रहते हैं, उनका संकट बढ़ जाता है। हाल में एक कार निर्माता के एजेंट ने बताया कि अपने देश में गाड़ियों की खरीद की इस समय लगभग 6 से 8 महीने की वेटिंग लिस्ट हो गई है। कारण यह है कि कार के उत्पादन में लगने वाला एक छोटा सा %सेमी कंडक्टर% जिसका मूल्य मात्र 2,000 रुपये है, वह भारत में नहीं बन रहा है और उसका आयात भी नहीं हो पा रहा है क्योंकि निर्यात करने वाले देशों में कोविड का संकट आ पड़ा है। इससे दिखाई पड़ता है कि कोविड के कारण उत्पादित माल का विश्व व्यापार संकट में है। यदि एक भी कच्चा माल उपलब्ध नहीं हुआ तो पूरा उत्पादन ठप्प हो जाता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष की पत्रिका %फाइनांस एंड डेवलपमेंट% में एक लेख में कहा गया है कि कोविड संकट के कारण तमाम देश उत्पादित माल वैश्वीकरण से पीछे हटेंगे। इसी क्रम में अपने देश में दवाओं के उद्योग पर भी वर्तमान में संकट है क्योंकि चीन से आयातित होने वाले कुछ कच्चे माल उपलब्ध नहीं हैं। दूसरी तरफ हमारे निर्यात भी संकट में हैं क्योंकि इंग्लैण्ड और नीदरलैंड जैसे देशों में कोविड के कारण लाकडाउन की स्थिति बन रही है और उनके द्वारा हमारा माल खरीदा नहीं जा रहा है। इन संकटों की विशेषता यह है कि ये माल अथवा भौतिक वस्तुओं के व्यापार से उत्पन्न हुए हैं जैसे सिलिकान चिप या दवा के कच्चे माल जिनकी ढुलाई एक देश से दूसरे देश में समुद्री जहाज अथवा हवाई जहाज से करनी होती है। माल का भौतिक उत्पादन जिस देश में होता है यदि वह देश निर्यात न कर सके तो आयात करने वाले दूसरे देश पर संकट आ पड़ता है। इसलिए कोविड के कारण सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था चरमरा रही है। तुलना में सेवा क्षेत्र की स्थिति अच्छी है। कारण यह है कि सेवायें जैसे आनलाइन ट्यूशन, टेली मेडिसिन, अनुवाद, सिनेमा, संगीत, साफ्टवेयर, इत्यादि के माल की ढुलाई समुद्री अथवा हवाई जहाज से करने की जरूरत नहीं होती है। इसकी ढुलाई इन्टरनेट के माध्यम से हो सकती है। अतः किसी देश में यदि लाकडाउन लगा भी है तो कर्मी अपने घर में बैठकर इंटरनेट से इनका उत्पादन और सप्लाई अनवरत कर सकते हैं। इसलिए वर्तमान ओमिक्रॉन के संकट को देखते हुए हमें भी सेवा क्षेत्र पर ध्यान देने की जरूरत है। मैन्युफैक्चरिंग और सेवा में दूसरा मूल अंतर सूर्योदय और सूर्यास्त का है। आज औद्योगिक देशों में सेवा क्षेत्र का अर्थव्यवस्था में हिस्सा लगभग 90 प्रतिशत, मैन्युफैक्चरिंग का 9 प्रतिशत और कृषि का मात्र 1 प्रतिशत है। भारत में इस समय सेवा लगभग 60 प्रतिशत, मैन्युफैक्चरिंग लगभग 25 प्रतिशत और कृषि 15 प्रतिशत है। दोनों की तुलना करने से स्पष्ट है कि अपने देश में भी सेवा का हिस्सा 60 प्रतिशत से आगे बढ़ेगा तो मैन्युफैक्चरिंग का हिस्सा 25 प्रतिशत से घटेगा। अथवा हम कह सकते हैं कि सेवा क्षेत्र में सूर्योदय होगा जबकि मैन्युफैक्चरिंग में सूर्यास्त रहेगा। इस परिस्थिति में विश्व बाजार में सेवाओं जैसे आनलाइन ट्यूशन की मांग में वृद्धि होगी जबकि उत्पादित माल की मांग में तुलना में कम वृद्धि होगी अथवा गिरावट भी हो सकती है। जाहिर है की जिस क्षेत्र में मांग बढ़ने की संभावना है उस क्षेत्र में यदि हम प्रवेश करेंगे तो अपने माल को आसानी से बेच पायेंगे। सूर्यास्त वाले क्षेत्र में हमको अपना माल बेचने में आगे तक कठिन समस्याएं आएंगी। सेवा और मैन्युफैक्चरिंग का तीसरा अंतर है कि मैन्युफैक्चरिंग में उत्तरोत्तर रोबोट और ऑटोमेटिक मशीनों का उपयोग बढ़ता जा रहा है। इतना सही है कि सेवा क्षेत्र में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से भी रोजगार में गिरावट आ सकती है। लेकिन सेवा के तमाम ऐसे क्षेत्र हैं जिनका काम कम्प्यूटर से नहीं हो सकता है जैसे आन लाइन ट्यूशन को लें। यदि जर्मनी में बैठे किसी युवा को आपको गणित की शिक्षा देनी है तो वह साफ्टवेयर प्रोग्राम से कम ही सफल होगी। उसके लिए सामने एक अध्यापक बैठा होना चाहिए जो छात्र अथवा छात्रा के प्रश्नों का उत्तर दे सके और उनकी कठिनाइयों का निवारण कर सके। लगभग एक दशक पूर्व एनीमेटेड फिल्मों का जोर था। कम्प्यूटर से बनाई गई फ़िल्में कुछ आईं। समयक्रम में अब इनका चलन समाप्त होने लगा है और आज एनिमेटेड सिनेमा का उत्पादन कम हो रहा है। इसका अर्थ यह है कि कुछ विशेष सेवा क्षेत्रों को छोड़ दें तो ऑनलाइन ट्यूशन जैसे तमाम स्थान हैं जहां कम्प्यूटर अथवा रोबोट मनुष्य का स्थान नहीं ले सकेंगे। इसलिए सेवा क्षेत्र तुलना में सुरक्षित रहेगा। चौथा अंतर यह है कि अपने देश में प्राकृतिक संसाधनों का अभाव है। प्रति हेक्टेयर भूमि में हमारी जनसंख्या दूसरे देशों की तुलना में अधिक है।

चुनौतियों के बीच कांग्रेस का स्थापना दिवस

देश में जिस वक्त असहिष्णुता और नफरत अपने चरम रूप में दिखाई दे रही है, जब राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को सार्वजनिक तौर पर अपशब्द कहे जा रहे हैं और प्रधानमंत्री इस बात की आलोचना भी नहीं कर रहे, जब प्रधानमंत्री कार्यालय को एक पार्टी के दफ्तर की तरह चलाया जा रहा है और संसद को तमाशेबाजी के मंच की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है, लोकतंत्र के लिए जब परिस्थितियां हर ओर से प्रतिकूल दिखाई पड़ रही हैं, ऐसे चुनौतीपूर्ण माहौल में कांग्रेस ने 28 दिसम्बर को अपना 137वां स्थापना दिवस मनाया।

लोकतंत्र में हरेक राजनैतिक दल की अपनी भूमिका है, सबका अलग स्थान है। स्थानीय मुद्दों पर आधारित कुछ क्षेत्रीय दल बने, जो बाद में राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे। जाति और धर्म विशेष के सरोकारों को लेकर भी राजनैतिक दलों का गठन हुआ, जिन्होंने लोकतंत्र में विविधता को बनाए रखने की चुनौती पेश की। कुछ दलों का गठन वैचारिक आधार पर हुआ और कई बार ये भी हुआ कि विभिन्न विचारधारा के दलों ने साथ आकर सरकार बनाई। लेकिन इन सबके बीच कांग्रेस की अपनी एक विशिष्ट भूमिका देश के लोकतंत्र को संभाले रखने में चलती रही। देश की इस सबसे पुरानी पार्टी को अभी भले अपने अस्तित्व के लिए जूझना पड़ रहा है, लेकिन सच्चाई यही है कि भारतीय राजनीति पिछले 137 सालों में कभी कांग्रेस मुक्त नहीं रही। भले ही कांग्रेस को एक परिवार के इर्द-गिर्द चलने वाली पार्टी कहा जाए, भले उसमें आंतरिक लोकतंत्र पर सवाल उठाए जाएं, लेकिन फिर भी देश की जनता का बड़ा हिस्सा किसी न किसी तरह कांग्रेस की राजनीति और उसकी नीतियों से प्रेरित रहा है। यह बात हम पहले भी लिख चुके हैं कि कांग्रेस महज एक राजनैतिक पार्टी नहीं है, एक विचार है, एक आंदोलन है, जो भारत को उसकी असली पहचान देता है। आजादी के पहले स्वाधीनता आंदोलन के इतिहास में कांग्रेस की भूमिका अवर्णनीय है ही, आजादी के बाद भी भारत को एक लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष, प्रभुत्वसंपन्न गणराज्य बनाने में कांग्रेस ने अहम भूमिका निभाई। लेकिन इस गौरवशाली इतिहास के बरक्स यह सवाल अगर उठता है कि आज कांग्रेस कहां है, तो उसका जवाब तलाशना ही होगा। और यह जिम्मेदारी कांग्रेस पार्टी के नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की अधिक है। सत्ता के मद और सत्ता के लालच में कांग्रेस के मूल्यों से विचलन की कीमत जितनी कांग्रेस ने अपना जनाधार खोकर चुकाई है, उससे कहीं अधिक नुकसान इस देश को हुआ है। कांग्रेस के खाली स्थान को भरने जो राजनैतिक दल आगे आए हैं, उनमें से बहुत से दलों की संकुचित और स्वार्थपरक राजनीति के कारण देश के लोकतंत्र का बहुत नुकसान हुआ है। 90 के दशक के बाद भूमंडलीकरण की आंधी में देश की आर्थिक नीति तो कमोबेश सभी दलों की एक जैसी ही हो गई है। पूंजीवाद के आगे राजनैतिक शक्तियां नतमस्तक हैं। लेकिन इनके साथ भारत जैसे बहुविध देश में धर्म और जाति के नाम पर जो खाई गहरी हुई है, उसे पाटने का काम वही दल कर सकते हैं, जिनका इस देश के संविधान में यकीन हो। और उस यकीन को धरातल पर लागू करने का जज्बा भी हो। यह देखना दुखद है कि दूसरे दलों के साथ-साथ खुद कांग्रेस में एक नेताओं की एक बड़ी जमात शामिल हो गई, जिन्होंने सत्ता की राजनीति के लिए संविधान के मूल्यों को तिरोहित कर दिया। इसी वजह से आज देश में अल्पसंख्यकों, दलितों, आदिवासियों और निचले तबके के लोगों के लिए हालात पहले से कठिन हो गए हैं।

विचारों की स्वतंत्रता पर अघोषित पहरेदारी हो गई है और कलम के सिपाही, दरबारी बन कर धन्य हो रहे हैं। ऐसे में जब कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी कह रही हैं कि हमारी गंगा-जमुनी संस्कृति को मिटाने की कोशिश हो रही है। देश का आम नागरिक असुरक्षित और भयभीत महसूस कर रहा है। लोकतंत्र व संविधान को दरकिनार किया जा रहा है, और तानाशाही की जा रही है। ऐसे में कांग्रेस चुप नहीं रह सकती। तो उनकी इन बातों का मर्म कांग्रेसियों को समझना होगा और कांग्रेस के साथ-साथ भारत को संभालने के लिए आगे आना होगा।

देश की इस सबसे पुरानी पार्टी को अभी भले अपने अस्तित्व के लिए जूझना पड़ रहा है, लेकिन सच्चाई यही है कि भारतीय राजनीति पिछले 137 सालों में कभी कांग्रेस मुक्त नहीं रही। भले ही कांग्रेस को एक परिवार के इर्द-गिर्द चलने वाली पार्टी कहा जाए, भले उसमें आंतरिक लोकतंत्र पर सवाल उठाए जाएं, लेकिन फिर भी देश की जनता का बड़ा हिस्सा किसी न किसी तरह कांग्रेस की राजनीति और उसकी नीतियों से प्रेरित रहा है।

चंडीगढ़ में आप की जीत : बीजेपी से नाराज दिखी जनता, कांग्रेस से नहीं

किसानों ने पंजाब में राजनीतिक दल जरूर खड़ा किया है। लेकिन, एक बात साफ है कि किसान आंदोलन कांग्रेस की सरकार के खिलाफ नहीं था इसलिए राजनीतिक दल के रूप में किसानों की पार्टी को कांग्रेस के खिलाफ कोई सफलता मिलेगी- ऐसा दावा नहीं किया जा सकता। अगर यही किसानों की पार्टी अगर आम आदमी के साथ गठबंधन कर चुनाव में उतरती तो निश्चित रूप से कांग्रेस के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती थी। लेकिन, अलग-अलग चुनाव लड़कर ये दल कांग्रेस की मुश्किलें आसान ही कर रहे हैं। चंडीगढ़ नगर निगम चुनावों में आम आदमी पार्टी की जीत और बीजेपी की हार ने सबको चौंकाया है। लेकिन, क्या %आप% प्रमुख दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस बयान में वजन है कि ये चुनाव नतीजे पंजाब में बदलाव का संकेत दे रहे हैं? 2016 में चंडीगढ़ के 26 वार्डों में से 20 पर जीत हासिल करने वाली बीजेपी 2021 में परिसीमन के बाद 35 वार्डों में से महज 12 सीटों पर जीत हासिल कर सकी है। एक तिहाई सीट भी नहीं जीत सकी है बीजेपी। दूसरी ओर पहली बार चुनाव लड़ते हुए आम आदमी पार्टी ने 16 सीटों पर जीत हासिल की है और सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। अरविंद केजरीवाल का बयान इसी सफलता के आलोक में है। पंजाब में बीजेपी से नहीं, कांग्रेस से है आप का मुकाबला- पंजाब में आम आदमी पार्टी का मुकाबला बीजेपी नहीं, कांग्रेस से होगा। पंजाब में कांग्रेस सरकार के खिलाफ विपक्ष बिखरा हुआ है। कोई गठबंधन नज़र नहीं आता है, न ही कोई मजबूत विपक्ष दिखता है। जिस तरह अखिल भारतीय स्तर पर बीजेपी के सामने विपक्ष की चुनौती कमजोर नजर आती रही है उसी तरह पंजाब में कांग्रेस के सामने विपक्ष की चुनौती दिखाई नहीं पड़ती। चंडीगढ़ नगर निगम चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन में कोई गिरावट नहीं आई है। पिछले चुनाव में जहां कांग्रेस को 4 वार्डों में जीत मिली थी, ताजा चुनाव में उससे दुगुनी संख्या में वार्डों पर जीत मिली है। कांग्रेस के खाते में 8 सीटें आई हैं।

चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव में सबसे ज्यादा वोट कांग्रेस के खाते में गया है 29.9 प्रतिशत तो दूसरे नंबर पर बीजेपी है 29.3 प्रतिशत आम आदमी पार्टी को सबसे अधिक सीटें जरूर हासिल हुई हैं लेकिन उसे महज 27.1 प्रतिशत वोट मिले हैं। किसानों की बीजेपी से है नाराज़गी-चंडीगढ़ में बीजेपी को किसान आंदोलन के दौरान सिख समुदाय से पैदा हुई खटास का खामियाजा स्पष्ट तौर पर भुगतना पड़ा है। लेकिन, इसका फायदा कांग्रेस को जितना मिलना चाहिए था, नहीं मिला है। जबकि, आम आदमी पार्टी को बीजेपी से वोटरों की नाराज़गी का भरपूर फायदा मिला है। चंडीगढ़ जैसे शहर में बीजेपी के प्रति वोटरों का आकर्षण कम होना बीजेपी के लिए चिंता की बात है और आम आदमी पार्टी के लिए समर्थन बढ़ना उसके लिए उत्साहजनक है। लेकिन, इससे यह मतलब हरगिज नहीं निकलता कि कांग्रेस को पंजाब में कोई नुकसान होने वाला है क्योंकि चंडीगढ़ में भी कांग्रेस के लिए समर्थन बढ़ा है घटा नहीं। बीजेपी-अकाली दल को नुकसान पहुंचाएगी आम आदमी पार्टी-चंडीगढ़ की जनता ने आम आदमी पार्टी को बीजेपी का विकल्प माना है लेकिन पंजाब की जनता आम आदमी को कांग्रेस का विकल्प मानेगी- यह दावे से नहीं कहा जा सकता। इसका सबसे मजबूत तर्क यह है कि बीते चुनाव में बीजेपी 26 में से 20 वार्डों में जीत के बावजूद पंजाब में फिसड्डी साबित हुई थी। यहां तक कि बीजेपी के साथ गठबंधन करने वाले शिरोमणि अकाली दल का प्रदर्शन भी बुरा रहा था। दूसरा उदाहरण 2011 में चंडीगढ़ नगर निगम के चुनाव नतीजे को ले सकते हैं। तब कांग्रेस का प्रदर्शन शानदार रहा था लेकिन पंजाब विधानसभा चुनाव में शिरोमणि अकाली दल-बीजेपी गठबंधन की सरकार बनी थी। चंडीगढ़ में नगर निगम चुनाव के नतीजे से एक बात पूरी तरह स्पष्ट है कि पंजाब के चुनाव में बीजेपी की लुटिया डूब चुकी मान ली जाए। शिरोमणि अकाली दल की भी दुर्गति होने वाली है जिसका संकेत चंडीगढ़ में उसकी महज एक वार्ड पर जीत के रूप में दिख रही है। इसका मतलब साफ है कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच सीधा मुकाबला होगा। अरविंद केजरीवाल के बयान को इस हिसाब से सटीक समझा जाना चाहिए कि पंजाब की सियासत में बदलाव का संकेत चंडीगढ़ के चुनाव नतीजे दे रहे हैं। चंडीगढ़ में कांग्रेस के खिलाफ नहीं दिखा वोटरों का रुझान-चंडीगढ़ नगर निगम के चुनाव में कांग्रेस के खिलाफ वोटरों का रुझान नज़र नहीं आता। लेकिन, कांग्रेस वोटरों का पहला प्यार भी नहीं है यह साफ हो चुका है। मगर, इसकी वजह चंडीगढ़ की जनसांख्यिकी है। चंडीगढ़ में हिन्दुओं की आबादी 80 फीसदी है तो सिखों की 13 फीसदी। चंडीगढ़ की तुलना दिल्ली से हो सकती है जहां बीजेपी से मुकाबले में आम आदमी पार्टी लगातार भारी पड़ रही है। पंजाब के भीतर भी कई शहर हैं जहां हिन्दी भाषियों की आबादी ज्यादा है। लुधियाना, जालंधर और बठिंडा में हिंदू बहुसंख्यक हैं तो अमृतसर में सिख और हिंदू करीब-करीब बराबर हैं। इन इलाकों में चंडीगढ़ की तरह आम आदमी पार्टी बीजेपी-अकाली दल को नुकसान पहुंचा सकती है। मगर, पंजाब के बाकी हिस्सों में स्थिति अलग है।

किसान आंदोलन के प्रति मोदी सरकार के रवैये ने पंजाब में बीजेपी और मोदी सरकार के साथ रहे अकाली दल का भरपूर नुकसान किया है। हालांकि अकाली दल ने मोदी सरकार से अलग होकर अपना वजूद बचाने की कोशिश की है। फिर भी बीजेपी-अकाली दल के समर्थक वोटर जो कांग्रेस की तरफ नहीं जा सकते, उनके लिए आम आदमी पार्टी विकल्प के तौर पर सामने आई है।

हालात : क्या हमने इसी बांग्लादेश का सपना देखा था

वर्ष 1971 में पाकिस्तान से युद्ध कर बांग्लादेश विजयी हुआ था। यह हम जानते हैं। हारे हुए पाकिस्तानी सैनिक सिर झुकाकर बांग्लादेश से चले गए थे। इस बारे में भी हम सब जानते हैं। लेकिन जिस आदर्श के लिए बांग्लादेश ने युद्ध किया था, विजय के पचास साल बाद उसने उस आदर्श को कितना बचाकर रखा है? इस प्रश्न का जवाब कौन किस तरह देगा, यह मैं नहीं कह सकती। लेकिन मैं दावे के साथ कह सकती हूं कि उस आदर्श का आज कुछ भी नहीं बचा है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण तो मैं खुद ही हूं। मैं बांग्लादेश के मुक्तियुद्ध का सौ फीसदी समर्थन करती थी। आज भी उसी आदर्श के तहत मैं जी रही हूं, लिख-पढ़ रही हूं। लेकिन उस देश में रहने का मेरा कोई अधिकार नहीं है। वर्ष 1994 में तत्कालीन प्रधानमंत्री खालिदा जिया ने मुझे बांग्लादेश से निकाल बाहर किया था। मृत्युशय्या पर पड़ी मां को देखने के लिए मैं प्रधानमंत्री शेख हसीना के तेवर की परवाह किए बगैर बांग्लादेश चली गई थी, लेकिन तीन महीने बाद ही जनवरी, 1999 में शेख हसीना ने भी मुझे खालिदा जिया की तरह देश से बाहर निकाल दिया था। तब से मैं एकाकी जीवन बिता रही हूं। मैं क्या मुक्तियुद्ध में शत्रु सेना के सहयोगी अल बदर, रजाकार या अल शम्स से जुड़ी हुई थी? नहीं, मैं मुक्तियुद्ध की समर्थक थी और मेरे परिवार के कई लोगों ने उस युद्ध में हिस्सेदारी की थी। मैंने कोई ऐसा काम भी नहीं किया था, जिस कारण मुझे इतनी सख्त सजा मिलती। मैं एक उदार और धर्मनिरपेक्ष परिवार में डॉक्टर पिता की संतान थी, और मेडिकल की पढ़ाई कर खुद डॉक्टर बनी थी। एक सरकारी डॉक्टर के रूप में वर्षों तक मैंने गांवों-कस्बों के स्वास्थ्य केंद्रों में अपनी सेवाएं दीं, यहां तक कि ढाका के सरकारी अस्पतालों में भी मैंने काम किया। डॉक्टरी के साथ-साथ साहित्य भी मेरा शौक था। जब मैं किशोरी थी, तभी से कविताएं लिखती थी। और अपनी कहानियों, उपन्यासों, लेखों में मैंने क्या लिखा? मैंने हमेशा ही धर्मनिरपेक्षता, गणतंत्र, समाजवाद, नारी-पुरुष का समानाधिकार और मानवता पर लिखा है।

इन तरीकों से तलाश करें ऑनलाइन टीचिंग जॉब

बदलती तकनीक ने पढ़ने-पढ़ाने के तरीके में भी नयापन ला दिया है। ऐसा ही एक नया तरीका है ऑनलाइन टीचिंग। इसमें पढ़ने और पढ़ाने वाले एक-दूसरे से मीलों, बल्कि सैंकड़ों-हजारों मील दूर भी हो सकते हैं। यहां सायबरदुनिया ही बन जाती है पाठशाला। समय के साथ ऑनलाइन टीचिंग में करियर बनाने में रुचि रखने वाले युवाओं की संख्या बढ़ती जा रही है। अगर आप भी ऐसे ही युवा हैं, तो जानिए ऑनलाइन टीचिंग जॉब पाने के 5 ऑनलाइन उपाय।

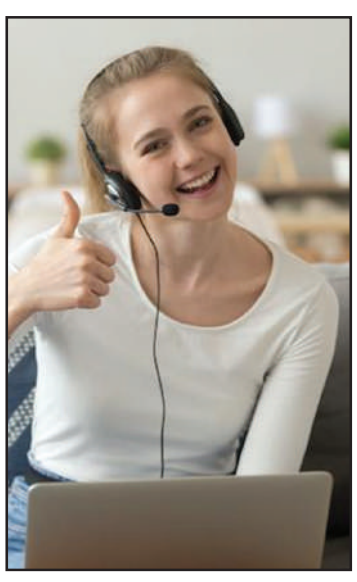

इंटरनेट

इंटरनेट खुद यह सुनिश्चित करता है कि आप हर उपलब्ध ऑनलाइन टीचिंग जॉब से अपडेट रहें। आप इस फील्ड में स्पेशलाइज करने वाले विभिन्न पोर्टल्स को देखते रहें। इन पोर्टल्स पर आप वेकेंसीज, वॉक-इन इंटरव्यूज, जॉब फेयर आदि के बारे में जान सकते हैं और वहीं अपना रेज्यूमे भी अपलोड कर सकते हैं। ध्यान रहे, आपका रेज्यूमे प्रभावशाली हो और उसमें ऐसे कीवर्ड हों, जिनसे भावी एम्प्लॉयर्स की सर्च में वह जरूर हाईलाइट हो। कुछ मामलों में आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप अपना रेकॉर्डे ड टीचिंग सेशन भी शेयर करें, ताकि आपको शॉर्टलिस्ट किया जा सके। इसलिए ऐसी रेकॉर्डिंग तैयार रखना जरूरी है। विशेष वेबसाइट्स अगर आप पहले ही कुछ स्कूलों पर मन बना चुके हैं, तो सीधे उनकी वेबसाइट्स पर ही जाएं और वहां उपलब्ध वेकेंसीज के बारे में पता करें। उनके वेबपेज के जरिये या फिर ईमेल के माध्यम से उन्हें अपना रेज्यूमे भेजें। आप चाहें, तो वेबसाइट पर दिए गए फोन नंबर पर कॉल करके भी वेकेंसी के बारे में पता कर सकते हैं।

ऑनलाइन रिक्रूटमेंट एजेंसीज

ऐसी कई रिक्रूटमेंट एजेंसीज हैं, जो राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस फील्ड में ही स्पेशलाइज करती हैं। आप ऐसी ही किसी प्रतिष्ठित एजेंसी से जुड़कर बढ़िया ऑनलाइन टीचिंग जॉब पाने में मदद ले सकते हैं। हां, कई फ्रॉड एजेंसीज भी होती हैं, इनसे बचकर रहें। ध्यान रहे, कोई अच्छी एजेंसी कभी भी आपसे ऊंची फीस नहीं मांगेगी।

ऑनलाइन अखबार

जॉब पाने का एक और अच्छा जरिया हैं विभिन्न अखबारों की वेबसाइट्स। इनके करियर सेक्शन में जाकर आप अच्छी ओपनिंग्स के बारे में जान सकते हैं।

पर्सनल रेफरेंस

आप ऐसे मित्रों व रिश्तेदारों से भी मदद ले सकते हैं, जो इस फील्ड में काम कर रहे हैं। पर्सनल रेफरेंस होने से किसी जॉब के लिए आपके चुने जाने की संभावना काफी बढ़ जाती है। इसके लिए जरूरी है कि आप इस फील्ड से जुड़े लोगों से लगातार संपर्क बनाए रखें।

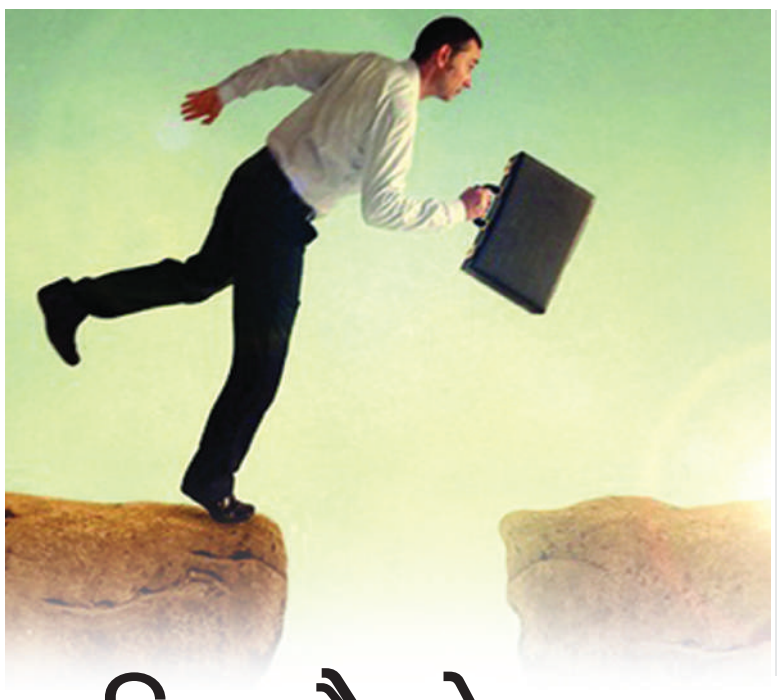

करियर गैप के बाद यूं शुरू करें जॉब की तलाश

ऐसे कई कारण हो सकते हैं जब आपको जॉब से सालभर का गैप लेना पड़े। आपकी प्री या पोस्ट एजुकेशन के कारण या हो सकता है कुछ नया करने के लिए आपने कुछ महीनों का गैप लिया हो। काम और रूटीन की दुनिया में फरि से प्रवेश करना आपके लिए थोड़ा टेंशन का कारण बन सकता है। इसलिए गैप के बाद बिना हिचक और परेशानी के काम शुरू करने के लिए ये टिप्स कारगर रहेंगे।

सबसे पहली चीज जो आपको करनी है वह है सारे विकल्पों पर ध्यान देना। पुराने जॉब में लौट रहे हों, आपके डिग्री से जुड़ा करियर हो, पूर तरह से नया काम करने की कोशिश कर रहे हों, सभी संभावित चयन हैं। कई चीजों के बारे में आपको सोचना होगा इसलिए कुछ गंभीर फैसलों के लिए तैयार रहें। अगर आप इस बात को लेकर श्योर है कि आप क्या चाहते हैं, तो आवेदन भेजने के पहले अच्छी रिसर्च करें ताकि आप इंटरव्यू में बुलाने पर सभी सवालों के जवाब दे पाएं। अगर आप अभी भी श्योर नहीं हैं तो घबराए नहीं। इस स्टेज पर आपका ड्रीम जॉब एक रहस्य हो सकता है इसलिए बड़े डिसीजन के लिए जल्दबाजी नहीं करें। जिन भूमिकाओं को लेकर आपमें जुनून हैं उनकी तलाश करने पर आप खुद को सही जॉब की राह पर ले जा रहे हैं।

काम का अनुभव

अगर आपने पिछले साल कहीं नौकरी नहीं की है तो भी चलेगा। पिछले साल आपने जो भी किया और जो भी स्किल्स आने पाई, उसके बारे में सोचे और जाने कि यह एक व्यक्ति के तौर पर आपको किस तरह सकारात्मक तरीके से प्रतिबिंबित करता है।

तलाश शुरू करें

भले ही आपने एक साल लाइफ में केयरफ्री अप्रोच रखी हो लेकिन अब आप रूटीन जॉब करना चाहते हैं तो दिन के कुछ घंटे केवल पूरी तरह जॉब तलाश करने पर ही दें। इससे आपका पूरा फोकस, प्रोडक्टिविटी इम्प्रूव होगी और परिणामस्वरूप सफलता मिलेगी। अगर आप आधे मन या जल्दबाजी में जॉब के आवेदन देना शुरू करेंगे तो किसी भी इंडस्ट्री के रिक्रूटर को प्रभावित करने में सफल नहीं होंगे। हम सभी जानते हैं कि सौ जगह जॉब अप्लाई करना और उसके बाद भी रिस्पॉन्स नहीं आना कितना हताश भरा होता है। लेकिन इससे खुद का आत्मविश्वास न डगमगाने दें और हतोत्साह न होएं। जॉब सर्चिंग के दौरान किसी हॉबी में भी मन लाएं। जॉब तलाश करने के साथ सुकून देने वाली एक्टिविटी में शामिल होने से आप यह रास्ता और सरल बना सकते हैं।

अब शुरू करें जॉब की तलाश

अगर आपका सीवी अपडेटेड है, आपने पूरी रसिर्च कर ली है और आपने अपने आप को इसके लिए मेंटली तैयार कर लिया हो तो अगला चरण आपके जॉब के आवेदन देने का है।

नए ऑफिस में बनाना है इम्प्रेशन, तो ये ट्राय करें

करियर ग्रोथ के लिए लोग कई बार जॉब बदलकर नई कंपनी जॉइन करते हैं। जाहिर है, नई जगह एडजस्टमेंट में थोड़ी दिक्कत तो होती ही है। जानते हैं कुछ टिप्स जिनसे आप नई वर्कप्लेस में खुद की क्षमताओं को साबित कर सकेंगे।

अहम हैं पहले दो सप्ताह

हर कंपनी अपने नए एंप्लॉइज को कुछ दिन बिना किसी खास असाइनमेंट के ऑफिस में एडजस्ट करने का समय देती है। इस समय का फायदा उठाएं। छोटी-से-छोटी बातों को नोट करें। कंफ्यूजन हो, तो सवाल पूछें, लेकिन एक ही सवाल बार-बार पूछने से लोग खीज जाते हैं। विनम्र रहें और हर बात पर अपना नजरिया रखने से बचें।

दोस्ती की जल्दी न करें

लोगों को जज करने में जल्दबाजी न करें। लोगों के बारे में बिना सोचे-समझे अपनी धारणा न बनाएं। साथ ही, ऑफिस गॉसिप से भी दूर रहें। लोगों को जानने के लिए अपना समय लें। सबसे एक जैसा व्यवहार करें। दोस्ती करने के लिए जबर्दस्ती किसी ग्रुप में शामिल होने की कोशिश न करें।

बनाएं सही संतुलन

नई जॉब में दूसरों पर निर्भरता ज्यादा होती है, इसीलिए अक्सर लोग फ्रस्ट्रेट होने लगते हैं। ऐसे में अपना धैर्य बनाए रखें। हो सकता है कि कंपनी आपसे जॉइनिंग के कुछ ही दिन में परफॉर्मेंस की उम्मीद करे। ऐसे में सीनियर्स की मदद और खुद की परफॉर्मेंस में बैलेंस बनाने पर ध्यान दें।

चमचागिरी नहीं

जब आपका बॉस आपसे खुश होता है, तो आपकी वर्क-लाइफ भी काफी अच्छी रहती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप अपना काम छोड़कर सिर्फ बॉस को खुश करने पर ही ध्यान दें। याद रखिए, आपकी परफॉर्मेंस आपसे ज्यादा बेहतर तरीके से बोलती है। इसलिए काम में लापरवाही न करें।

रिकॉर्ड हों व्यवस्थित

रिकॉर्ड्स मेंटेन रखना एक अच्छे एंप्लॉयी की निशानी है, इसलिए अपनी वर्क-प्रोफाइल से संबंधित सारे डॉक्यूमेंट्स और मेल्स को मेंटेन रखें। इससे एक बैकअप हमेशा आपके पास रहेगा और कोई आप पर बेवजह दबाव नहीं बना पाएगा।

इन तरीकों से ट्रैक करें अपनी करियर ग्रोथ

अगर आप अपने करियर की ऊंचाइयों तक पहुंचना चाहते हैं तो यह एनालाइज करना जरूरी है कि आप कितने समय से काम कर रहे हैं और इस दौरान आपने क्या अचीव किया। करियर ग्रोथ के लिए इन बातों का ध्यान रखें:

सेल्फ अवेयर रहें

सबको अपनी स्ट्रेंथ और वीकनेस का अंदाजा होता है इसलिए समय-समय पर खुद को एनालाइज करते रहें। अपने करियर में आप आगे बढ़ रहे हैं या नहीं, इस सवाल का जवाब जरूर तलाशें। अपनी वीकनेसेज को एनालाइज करके उन्हें दूर करने की कोशिश करें। वर्तमान जॉब में ऐसा करना ज्यादा आसान होता है, ऐसे में यह मौका न गंवाएं।

खुलकर राय रखें

दूसरों से बात करके यह जानने की कोशिश करें कि आपकी इंडस्ट्री से ताल्लुक रखने वाले और लोग कैसे आगे बढ़ते हैं। अपनी सोच का दायरा बढ़ाएं, अपनी इंडस्ट्री के लोगों से मेलजोल बढ़ाएं, अपनी फील्ड के सफल लोगों से खुद की तुलना करें। इससे आप जान सकेंगे कि आपके कदम करियर की बुलंदियों की तरफ आगे बढ़ रहे हैं या नहीं।

खुद को एक्सप्लोर करें

ज्यादातर लोग सिर्फ अपनी पसंदीदा कंपनी में जॉब करके ही खुद को संतुष्ट कर लेते हैं। यही कारण है कि ये बेहतरीन एम्प्लॉई तो बन जाते हैं, लेकिन अपनी फील्ड के सफल लोगों में उनकी गिनती नहीं होती। जॉब पाना ही सबकुछ नहीं होता। खुद को हमेशा एक्सप्लोर करते रहें। अपनी फील्ड से जुड़े आयोजनों को मिस न करें।

अच्छा है वॉलन्टियरिंग

वॉलनटियर एक ऐसा तरीका है जिससे आपको नए अनुभव तो मिलते ही हैं, अलग-अलग तरह के काम करके खुद के अंदर छिपी स्कल्स को भी जानने का मौका मिलता है। कंपनी के अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में खुद को इंडल्ज करने की कोशिश करें।

सपने और जुनून को जिंदा रखें

लोग अपने सपनों और जुनून के हिसाब से फील्ड चुनते हैं और उसमें काम भी करते हैं। लेकिन जल्द ही ऑफसि स्ट्रेस और गॉसिप में फंसकर अपनी ग्रोथ खुद ही डंप कर लेते हैं। सपने हमेशा देखें क्योंकि वो आपको अहसास दिलाएंगे कि आपने जो सोचा, वो पाया या नहीं।

स्काइप इंटरव्यू में सफल होने के लिए जान लें ये 3 बातें

स्काइप ने पीसी और मोबाइल पर वीडियो चैट आसान बना दिया है जिससे कि ज्यादा से ज्यादा एम्प्लॉयर्स पर्सनल इंटरव्यू को इसके उपयोग के साथ रिप्लेस कर रहे हैं। टीम इंटरव्यूज और आगे के टेस्ट के पहले कैंडिडेट के साथ शुरुआती बातचीत के लिए यह हाइरिंग मैनेजर को आसान तरीका लगता है। स्काइप कंवर्जेशन की सफलता के लिए प्लानिंग महत्वपूर्ण हैं। अंतर है कि आपको सवालों के जवाबों और इंटरव्यू में क्या पहनें, इस सोच से ज्यादा काम करना होगा। इस तरह से आप एक सफल स्काइप इंटरव्यू की तैयारी कर सकते हैं

स्काइप ने पीसी और मोबाइल पर वीडियो चैट आसान बना दिया है जिससे कि ज्यादा से ज्यादा एम्प्लॉयर्स पर्सनल इंटरव्यू को इसके उपयोग के साथ रिप्लेस कर रहे हैं। कंपनी के नजरिए से एक स्काइप कंवर्जेशन दोनों का समय और पैसा बचा सकता है। टीम इंटरव्यूज और आगे के टेस्ट के पहले कैंडिडेट के साथ शुरुआती बातचीत के लिए यह हाइरिंग मैनेजर को आसान तरीका लगता है। इसके अलावा रिक्रूटर्स का कहना है कि कैंडिडेट्स की स्क्रीनिंग के लिए वीडियो इंटरव्यू एक महत्वपूर्ण साधन है। इस तरह के स्काइप कंवर्जेशन की सफलता के लिए प्लानिंग महत्वपूर्ण हैं। अंतर है कि आपको सवालों के जवाबों और इंटरव्यू में क्या पहनें, इस सोच से ज्यादा काम करना होगा। अगर आपने इसकी तैयारी में कोई भी कमी रखी तो यह अपरिपक्वता और तैयारी का अभाव ही नजर आएगा।

समय के पहले सेटअप तैयार करें

सबसे पहले यह सुनिश्चित कर लें कि अपने स्काइप ऐप डाउनलोड, इंस्टॉल और टेस्ट कर लिया है। अपने कई दोस्तों के साथ वीडियो चैट्स करें ताकि आपको पता रहे कि यह अच्छे से काम कर रहा है।

कैमरा सेटअप करें

कैमरे को इस तरह से सेट करें कि आपके चेस्ट का ऊपरी भाग फ्रेम के निचले किनारे पर हो, हम कह सकते हैं कि ड्रेस शर्ट के तीसरे बटन पर। ऊपरी फ्रेम को आपक हाथ की चौड़ाई जितना सिर के ऊपर पोजिशन करें।

माइक्रोफोन टेस्ट करें

साउंड के लिए आपकी आवाज बिना इको, बजिंग के आनी चाहिए। अगर आपको कोई डाउट हो तो हैंडसेट में इन्वेस्ट करें। खराब साउंट क्वॉलिटी की बजाए हैंडसेट पहनना ज्यादा अच्छा है वरना आप जो कह रहे हैं, वह स्पष्ट सुनाई नहीं देगा।

लाइटिंग चेक करें

बहुत ज्यादा तीखी रोशनी के बिना आपकी तस्वीर नजर आनी चाहिए। यह सही है कि आप कोई फीचर फल्मि नहीं बना रहे हैं लेकिन फरि भी कैमरा सेटिंग, रूम लाइट्स का एंगल और विंडो शेड्स एडजस्ट कर जितना हो सके आप नैचुरल स्कनि टोन लाने की कोशिश करें।

चश्मा पहना हो तो ये करें

अगर आपने चश्मा पहना हो तो मॉनिटर का एंगल बदले, इसे पेपर से कवर करें या संभव हो तो इंटरव्यू के दौरान इसे बंद करें। या फरि अगर जरूरत न हो तो इंटरव्यू के दौरान चश्मा निकाल दें। जो भी तरीका आप अपनाएं, इंटरव्यू के पहले उसे टेस्ट कर लें।

कमरा तैयार कर लें

ऐसा रूम सेटअप करें जो कि प्रोफेशनल दिखें और आपकी बातचीत में रोड़ा न बनें। अपने पीछे सोफे पर लाउंड्री से भरा बास्केट न रखें या दरवाजा खुला न रखें जहां डस्टबिन नजर आ रहा हो। बेडरूम अवॉइड करें।

रिहर्सल करें

सफल इंटरव्यू के लिए यह एक जरूरी चीज है लेकिन स्काइप के लिए यह और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। आपको कैमरे का सामना करते हुए भी जरूरी इंटरव्यू टिप्स याद रखने होंगे। आपको कैमरे में देखते हुए हुए उनसे आई कान्टेक्ट बनाना होगा। इसलिए कैमरे के सामने बात करने का अभ्यास कर लें और ऐसी पोजिशन पता करें जो आपको सहज लगे। ताकि आप लंबे समय तक बैठ पाएं। आप रिहर्सल के लिए अपने दोस्तों को आपसे पूछने के लिए कुछ सवाल भी दे सकते हैं।

ड्रेस अप

वहीं कपड़े पहन कर देख ले जो कि आप आप पर्सनल इंटरव्यू के दौरान पहनने वाले थे। अगर कंपनी फॉर्मल है तो पुरुषों को जैकट और टाई पहनना चाहिए और महिलाओं को सूट जैकेट। ऐसा न करें कि शरीर का जितना भाग कैमरे में नजर आ रहा हो, उतना ही प्रिपेयर रहें। बल्कि पूरी तरह से तैयार होने से आप इंटरव्यू के मूड में रहेंगे। दूसरा अगर आपको किसी कारण से खड़ा होना भी पड़ा तो आपके शॉर्ट्स या जींस के कारण आपका इम्प्रेशन खराब नहीं होगा।

न्यूज ब्रीफ

UK में कोरोना के रिकॉर्ड 1.3 लाख नए मामले; लंदन के अस्पतालों में 53 फीसदी कोरोना पेशेंट बढ़े

वाशिंगटन। UK में पिछले 24 घंटे में कोरोना के रिकॉर्ड मामले दर्ज किए गए हैं। यहां मंगलवार को 129,471 नए कोरोना केस की पुष्टि हुई है। वहीं, कोरोना से 143 लोगों की मौत हई है। पिछली बार कोरोना के सबसे ज्यादा केस 24 दिसंबर को मिले थे। इस दिन कोरोना के 122,186 केस दर्ज किए गए थे। यहां ओमिक्रॉन संक्रमण की वजह से पेशेंट्स के अस्पताल में भर्ती होने दर 53 फीसदी से भी ज्यादा है। विशेष तौर पर लंदन ओमिक्रॉन से सबसे ज्यादा प्रभावित है। सोमवार को बोरिस जॉनसन ने कोरोना को लेकर नई पाबंदिया नहीं लागू करने की बात कही थी। इसके बाद यहां कोरोना केस में इजाफा हुआ है। वर्ल्ड हेल्थ आर्गनाइजेशन ने कहा है कि पिछले हफ्ते दुनियाभर में कोरोना के मामलों में 11 फीसदी का इजाफा हुआ है। इनमें ओमिक्रॉन के मामले भी शामिल हैं। WHO ने बुधवार को बताया कि कई देशों में तेजी से बढ़ते संक्रमण का कारण ओमिक्रॉन है। इन देशों में संक्रमण डेल्टा वैरिएंट से भी आगे निकल चुका है। इस वजह से ओमिक्रॉन से होने वाले संक्रमण का जोखिम लगातार बना हुआ है। ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों में ओमिक्रॉन अब प्रमुख वैरिएंट बन गया है। दक्षिण अफ्रीका में नवंबर में ओमिक्रॉन वैरिएंट मिलने के बाद अमेरिका समेत कई देशों ने अफ्रीकी देशों पर ट्रैवल बैन लगा दिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने मंगलवार को 8 दक्षिणी अफ्रीकी देशों से ट्रैवल बैन हटाने की घोषणा की है। अमेरिका से इन देशों के लिए ट्रैवल 31 दिसंबर से शुरू हो जाएगा। इनमें दक्षिण अफ्रीका, बोत्सवाना, जिम्बाब्वे, नामीबिया, लेसोथो, इस्वातिनी, मोजाम्बिक और मलावी शामिल हैं।

US रेगुलेटर ने कहा- ओमिक्रॉन की पहचान के लिए के रैपिड कोविड टेस्ट उतने सटीक नहीं

अमेरिका में ओमिक्रॉन के लगातार नए केस सामने आ रहे हैं। ऐसे में टेस्ट के लिए RT-PCR में ज्यादा समय लगता है, जिस वजह से ओमिक्रॉन की जांच के लिए टेस्ट किट का उपयोग भी किया जा रहा है। इसको लेकर अमेरिकी फूड एंड ड्रग एमिनिस्ट्रेशनने बुधवार को कहा कि ये किट ओमिक्रॉन वैरिएंट ओमिक्रॉन का सटीकता से पता नहीं लगा सकते।
FDA ने कहा कि शुरुआती आंकड़े के मुताबिक, एंटीजन टेस्ट ओमिक्रॉन वैरिएंट का पता तो लगाते हैं लेकिन इनकी संवेदनशीलता कम हो सकती है। यह टेस्ट गलत या निगेटिव रिपोर्ट भी दे सकते है।

इमरान के मंत्री बोले- चरमपंथी सोच हमारे लिए खतरा, हमें जिन्ना का पाकिस्तान वापस चाहिए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने जिस तालिबान को हथियार और ट्रेनिंग देकर आगे बढ़ाया था, अब वही उसके लिए गले की फांस बनाता जा रहा है। तालिबान की चरमपंथी सोच पाकिस्तान की परेशानियां बढ़ा रही है। हाल ही में पाकिस्तान के सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने तालिबान हुकूमत के उन फैसलों की आलोचना की है, जिसमें महिलाओं पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं। फवाद चौधरी ने इस पिछड़ी सोच को पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया है।

तालिबान की सोच पाकिस्तान के लिए खतरा:-इस्लामाबाद के एक कार्यक्रम में फवाद चौधरी ने कहा- हम अफगानिस्तान की मदद करना चाहते हैं, लेकिन तालिबान की चरमपंथी सोच है। जिसकी वजह से महिलाएं अकेले सफर नहीं कर सकती, स्कूल नहीं जा सकती, कॉलेज नहीं जा सकती। यह पुरानी सोच पाकिस्तान के लिए खतरा है। पाकिस्तान की असली लड़ाई चरमपंथ के खिलाफ है।

जिन्ना इस्लामी मुल्क बनाना चाहते थे

फवाद चौधरी ने मोहम्मद अली जिन्ना को लेकर कहा कि वो एक इस्लामी मुल्क बनाना चाहते थे मजहबी मुल्क नहीं। फवाद चौधरी ने मोहम्मद अली जिन्ना को लेकर कहा कि वो एक इस्लामी मुल्क बनाना चाहते थे मजहबी मुल्क नहीं। जिन्ना का जिक्र करते हुए फवाद चौधरी ने कहा- मोहम्मद अली जिन्ना पाकिस्तान को एक इस्लामी मुल्क बनाना चाहते थे, मजहबी मुल्क नहीं। मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के सामने जिन्ना का मजहबी इल्म कुछ नहीं था। अगर पाकिस्तान को एक मजहबी मुल्क बनाना होता तो फिर इसकी तहरीक मौलाना लोग चलाते। जिन्ना बहुत मॉर्डन थे। आज उनके नाम पर कुछ लोग मुल्क को पीछे ले जाना चाहते हैं। कायद-ए-आजम का पाकिस्तान वापस पाना हमारे लिए असली चुनौती है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट में इस्लामी हिजाब पहनना जरूरी होगा।

डेल्टा की जगह ले रहा ओमिक्रॉन

विशेषज्ञ इसे महामारी के खात्मे की 'वैक्सीन' बता रहे

» क्योंकि ओमिक्रॉन फैल रहा, मौतें घट रहीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

दुनिया में जैसे-जैसे कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट का फैलाव बढ़ रहा है, महामारी की गंभीरता कम हो रही है। जिन देशों में ओमिक्रॉन के 80 फीसदी से ज्यादा केस मिलने लगे हैं, वहां रोज होने वाली मौतों में गिरावट होने लगी है। अमेरिका और ब्रिटेन इसके प्रमुख उदाहरण हैं। सोमवार को दुनिया में अब तक के सर्वाधिक 14.49 लाख नए मरीज मिले और 6,433 मौतें हुईं। दो महीने पहले जब रोज औसतन 7 लाख मरीज मिल रहे थे, तब मौतों का रोजाना औसत 7,317 था। यानी, दो महीनों में रोज मिलने वाले मरीज 106 फीसदी बढ़ गए, जबकि मौतें 12 फीसदी घट गईं। दो महीने पहले ओमिक्रॉन नहीं था, डेल्टा वैरिएंट प्रमुख था। अब ओमिक्रॉन दुनिया के 119 देशों में पहुंच चुका है और डेल्टा के मुकाबले 5 से 7 गुना तेजी से फैल रहा है। विशेषज्ञों

का मानना है कि यह आने वाले तीन से चार हफ्तों में यह दुनियाभर में डेल्टा की जगह ले लेगा। अभी तक का ट्रेंड बता रहा है कि उसके बाद रोज होने वाली मौतों में तेज गिरावट देखने को मिल सकती है। इसलिए विशेषज्ञों को भरोसा होने लगा है कि अब महामारी की गंभीरता का अंत होने वाला है।

दुनिया में 2.89 लाख ओमिक्रॉन केस। विशेषज्ञ बता रहे कि ये सिर्फ सीक्वेंसिंग के बाद मिले केस हैं। सिर्फ 5 फीसदी केसों की सीक्वेंसिंग हो रही हैं। यानी असल केस इससे 20 गुना हो सकते हैं। अमेरिका में रोज मिलने वाले मरीज बेशक दोगुने हो गए हैं, पर अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या लगातार घट रही है। अमेरिका में 1.18 करोड़ सक्रिय मरीज हैं। इनमें से सिर्फ 63 हजार अस्पताल में हैं। दो महीने पहले जब 65 लाख सक्रिय मरीज थे, तब 78 हजार मरीज अस्पताल में भर्ती थे। यानी, अब संक्रमित होने वालों को अस्पताल की जरूरत कम पड़ रही। यही ट्रेंड दूसरे देशों में दिख रहा है।

ओमिक्रॉन वैरिएंट लॉकडाउन से नहीं थम सकता। यह डेल्टा वैरिएंट से अलग है। डेल्टा फेफड़ों में जाकर संक्रमण फैलाना शुरू करता है, जबकि ओमिक्रॉन श्वासनली में रुककर मल्टीप्लीकेशन करता है। इसलिए फेफड़े बच जाते हैं। दूसरी अहम बात यह है कि ओमिक्रॉन जब फेफड़ों में जाता है तो डेल्टा के मुकाबले 10 गुना धीमी गति से फैलता है, इसलिए मरीज को ऑक्सीजन सपोर्ट की जरूरत नहीं पड़ रही।

दरअसल, हमारी श्वासनली में 'म्यूकोसल इम्यून सिस्टम' होता है, जो इम्यूनिटी सिस्टम का केंद्र होता है। यहां एक एंटीबॉडी बनता है, जिसे 'इम्यूनोग्लोबुलिन आईजीए' कहते हैं। क्योंकि ओमिक्रॉन यहीं मल्टीप्लीकेशन करता है, इसलिए एंटीबॉडी तत्काल एक्टिव हो जाते हैं। इससे मरीज जल्दी ठीक हो रहे हैं। आसान शब्दों में कहें तो संक्रमण जब गंभीर रूप लेना शुरू करता है, उससे पहले ही एंटीबॉडी उसे खत्म करना शुरू कर देते हैं।

वायरस को मौका ही नहीं मिलता कि वह गंभीर रूप से बीमार कर सके। लेकिन, किसी को पहले से कोई गंभीर बीमारी हो तो उन्हें समस्या हो सकती है। ओमिक्रॉन तेजी से डेल्टा की जगह ले रहा है। मरीज भी तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन डरने की जरूरत नहीं है। क्योंकि, जितने लोगों में यह फैलेगा, उन्हें नेचुरल इम्यूनिटी मिल जाएगी। संक्रमण से मिली इम्यूनिटी वैक्सीन की इम्यूनिटी के मुकाबले ज्यादा समय तक टिकती है, इसलिए इसका तेजी से होता प्रसार खतरा नहीं, बल्कि वैज्ञानिक नजरिए से एक सौगात है। इसी से महामारी का अंत होगा। खासकर भारत जैसे देशों के लिए जहां अभी आधी से ज्यादा आबादी को वैक्सीन नहीं लगी है।

कैलिफोर्निया विमान हादसा:रिहायशी इलाके में जा गिरा लियरजेट एयरक्राफ्ट; प्लेन में सवार सभी 4 लोगों की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका में कैलिफोर्निया के एल काजोन इलाके में सोमवार को एक हवाई जहाज दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में चार लोगों की मौत हुई है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के प्रवक्ता रिक ब्रेइटेनफेल्ड ने बताया कि यात्री लियरजेट 35 बिजनेस एयरक्राफ्ट में सवार थे, जो ऑरेंज काउंटी के जॉन वेन हवाई अड्डे से रवाना हुआ और सैन डिएगो के गिलेस्पी फील्ड की ओर जा रहा था। सैन डिएगो काउंटी शेरिफ विभाग के अनुसार, उड़ान भरने के बाद लियरजेट शाम 7 बजे के बाद नीचे की ओर गिरने लगा। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड के नेतृत्व में हादसे की जांच की जा रही है। बोर्ड की एक टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर कुछ सबूत जुटाए हैं।

हादसे में कोई जिंदा नहीं बचा

फायरफाइटर्स की टीम भी मौके पर पहुंची। हादसे में विमान में सवार किसी के जिंदा बचने की खबर नहीं है। मृतकों की मेडिकल जांच की जा रही है। पहचान हो जाने पर शव उनके परिजनों को सौंप दिए जाएंगे।

इलाके में बिजली सप्लाई रोक गई

रिपोर्ट के मुताबिक, हादसे की वजह से एक घर को भी काफी नुकसान पहुंचा है। साथ ही इलाके में बिजली की सप्लाई रोक दी गई। फायरफाइटर्स की टीम जब मौके पर पहुंची तो वहां बारिश भी हो रही थी। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद कूड़े का ढेर जमा हो गया था।

बच्चों की वैक्सीन के विरोध में ब्राजीली राष्ट्रपति:बोल्सोनारो बोले-

अपनी 11 साल की बेटी को वैक्सीन नहीं लगवाउंगा, हेल्थ एक्सपर्ट्स पर भी भड़के

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज ब्राजिलिया

ब्राजील के राष्ट्रपति राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो अपनी 11 साल की बेटी को कोरोना वैक्सीन नहीं लगवाएंगे। उन्होंने यह बयान ब्राजील के सांता कैटरीना राज्य में मीडिया से बात करते हुए दिया। इसके साथ ही उन्होंने पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट्स की भी आलोचना की। दुनिया भर में ओमिक्रॉन की वजह से संक्रमितों का आंकड़ा बहुत तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में बोल्सोनारो के इस बयान पर एक्सपर्ट्स ने हैरानी जताई है।

बच्चों के वैक्सीनेशन प्रोग्राम पर जानकारी दी

ब्राजील के राष्ट्रपति ने कहा- स्वास्थ्य मंत्री मार्सेलो क्रिरोगा 5 जनवरी को 5 से 11 साल के बच्चों के वैक्सीनेशन प्रोग्राम के बारे में जानकारी देंगे। ब्राजील ने इस महीने की शुरुआत में चाइल्ड वैक्सीनेशन प्रोगाम को इजाजत दी है। हालांकि इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा- %वायरस से इतने ज्यादा बच्चों की भी मौत नहीं हो रही है, जो उनके लिए वैक्सीन की जरूरत को सही ठहराया जाए।%

स्वास्थ्य मंत्री के बयान से भी मचा था हंगामा

राष्ट्रपति बोल्सोनारो ने कहा कि उन्होंने क्विरोगा से बात की है। 5 तारीख को उन्हें एक नोट जारी करना चाहिए, जिससे साफ पता चले सके कि बच्चों का वैक्सीन प्रोग्राम किस तरह चलाया जाएगा। 23 दिसंबर को बच्चों की वैक्सीन पर स्वास्थ्य मंत्री क्विरोगा के बयान से विवाद खड़ा हो गया था। तब क्विरोगा ने कहा था कि कोरोना से मरने वाले बच्चों के संख्या इतनी ज्यादा नहीं है कि वैक्सीन के इमरजेंसी यूज की जरूरत पड़े। बच्चों को वैक्सीन लगवाने के लिए डॉक्टर का पर्चा जरूरी रहेगा। बाद में हेल्थ अफसरों ने उनके इस बयान का खंडन किया था।

सरकार समर्थक चाइल्ड वैक्सीन के विरोध में

ब्राजील में बच्चों के वैक्सीन प्रोग्राम को लेकर लोगों की राय बंटी हुई है। सरकार के समर्थक इस प्रोग्राम के खिलाफ हैं, जबकि ज्यादातर आबादी इनका समर्थन कर रही है। इसी साल अक्टूबर में, ब्राजील की नेशनल हेल्थ रेगुलेटर अन्विसा ने बताया था कि जब उन्होंने 5 से 11 साल के बच्चों के लिए वैक्सीन को मंजूरी थी, तो उसके कई कर्मचारियों को जान से मारने धमकी मिली थी। जायर बोल्सोनारो शुरुआत से ही वैक्सीन के खिलाफ रहे हैं। कुछ महीने पहले अमेरिका के एक रेस्टोरेंट ने उन्हें सिर्फ इसलिए एंट्री नहीं दी थी, क्योंकि उनके पास वैक्सीन सर्टिफिकेट नहीं था। इस पर उनका कहना था कि उन्हें वैक्सीन की जरूरत नहीं है, उनकी इम्युनिटी कोरोना से लड़ने के लिए मजबूत है।

नदिया में बैरकपुर और लालगोला के बीच सेवाओं के लिए 3 फेज मेमू रेक वाली पूर्व रेलवे की विशेष ट्रेन। ट्रेन को सांसद जगन्नाथ सरकार और अर्जुन सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इजराइल की सीरिया पर एयरस्ट्राइक, लताकिया पोर्ट पर ईरान के कंटेनर्स पर निशाना, बड़े नुकसान की आशंका

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज तेहरान

इजराइल ने आज सुबह सीरिया के लताकिया बंदरगाह पर मिसाइलों से हमला कर दिया। इस हमले में ईरान के कंटेनर्स को निशाना बनाया गया था। सीरियाई न्यूज एजेंसी सना ने इस बारे में जानकारी दी। समाचार एजेंसी के मुताबिक, इजराइल ने तड़के 3.21 बजे कंटेनर टर्मिनल को निशाना बनाकर हवाई हमला किया, जिस वजह से काफी नुकसान हुआ। इसी टर्मिनल के जरिए सीरिया का ज्यादातर सामान इंपोर्ट किया जाता है।

इजरायल का कुछ भी कहने से इनकार

इजरायली सैन्य प्रवक्ता ने इस पर बयान देने से इनकार कर दिया। प्रवक्ता ने कहा- %हम विदेशी खबरों पर टिप्पणी नहीं करते। इससे पहले इसी महीने 7 दिसंबर को भी इजराइल ने सीरिया में ईरानी ठिकानों पर हमला किया था। लताकिया फ्यार ब्रिगेड के मुताबिक, फायरकर्मियों को हमले के बाद करीब 1 घंटे तक आग बुझाने के लिए मेहनत करनी पड़ी।

घरों, अस्पताल और कई दुकानों को भी नुकसान

सरकारी टीवी अल-अखबरिया ने बताया- हमला इतना ज्यादा शक्तिशाली था कि इसकी वजह से आस पास के घरों, एक अस्पताल, कई दुकानों और टूरिस्ट स्पाट्स को नुकसान पहुंचा है। हमले में जिन कंटेनरों को निशाना बनाया गया उनमें ऑयल के साथ मशीन और कारों के पाट्र्स थे। हालांकि अब तक इस हमले में किसी के मारे जाने की खबर नहीं है। लताकिया से लगभग 20 किमी दूर हमीमिम में रूस एक हवाई अड्डे की देखरेख करता है।

तीन महीने पहले भी किया था हमला

तीन महीने पहले भी इजराइल ने सीरिया की राजधानी दमिश्क के एयरपोर्ट पर मिसाइल दागी थी। इसमें 2 विदेशी लड़ाके मारे गए थे। इजराइल को अपनी उत्तरी सीमा पर ईरानी घुसपैठ का डर बना रहता है। इस वजह से वो सीरिया में ईरानी बेस और लेबनानी आतंकी संगठन हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमला करता रहता है।

आतंकी संगठन है हिजबुल्ला

ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स ने 1982 में हिजबुल्ला की स्थापना की थी। इसका मकसद लेबनान में घुसे इजराइली लोगों को मारना था। हिजबुल्ला का अर्थ %ईश्वर का दल% होता है। यह लेबनान के शिया मुसलमानों का आतंकवादी संगठन और राजनीतिक पार्टी भी है। यह संगठन ईरान के शिया मुसलमानों के सिद्धांतों पर चलता है।

कोझिकोड के बेपोर में बेपोर उत्सव के दौरान पतंग उड़ाते लोग।

न्यूज ब्रीफ

कोरोना मामलों के कारण अमेरिका-आयरलैंड वनडे सीरीज रद्द

फोर्ट लॉडरडेल। कोरोना संक्रमण के बढते मामलों के बीच अमेरिका और आयरलैंड के बीच सीमित ओवरों की क्रिकेट श्रृंखला के वनडे मैच रद्द कर दिए गए हैं। आयरलैंड टीम के सहयोगी स्टाफ के दो सदस्य पॉजिटिव पाए गए थे। इसके अलावा खिलाड़ियों के साथियों में भी संक्रमण के मामले मिले थे जिनमें से आयरलैंड के दो क्रिकेटर करीबी संपर्क में थे। सभी खिलाड़ियों की जांच रिपोर्ट हालांकि नेगेटिव आई है। तीन मैचों की श्रृंखला का पहला मैच रद्द किया जा चुका था। दूसरे वनडे को एक दिन के लिये स्थगित कर दिया गया था चूंकि अंपायरिंग टीम और अमेरिकी टीम के सदस्यों में कुछ पॉजिटिव मामले पाये गए है। एक संयुक्त बयान में अमेरिकी क्रिकेट और क्रिकेट आयरलैंड ने कहा, 'कोरोना संक्रमण के बढते मामलों के कारण दोनों बोर्ड ने बाकी दो मैच रद्द करने का फैसला किया है ।%% दोनों टीमों के बीच टी20 सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही थी।

नाओमी ओसाका 2022 के पहले ग्रैंडस्लैम के लिए आस्ट्रेलिया पहुंची

मेलबर्न। नाओमी ओसाका मंगलवार को मेलबर्न हवाई अड्डे पर पहुंची जिससे पेशेवर टेनिस में उनकी वापसी की इच्छा के संकेत मिलते हैं। नाओमी ने सितंबर से पेशेवर टूर पर हिस्सा नहीं लिया है। गत आस्ट्रेलिया ओपन महिला चैंपियन नाओमी को अमेरिकी ओपन के तीसरे दौर में 18 साल की कनाडा की लेला फर्नांडिज के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी थी जो बाद में टूर्नामेंट की उप विजेता बनी थी। 24 साल की नाओमी ने आंखों में आंसुओं के साथ घोषणा की थी कि वह अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए खेल से अनिश्चितकालीन ब्रेक ले रही हैं। सितंबर से पेशेवर सर्किट से दूर चार बार की ग्रैंडस्लैम विजेता नाओमी ने 2019 और 2021 में आस्ट्रेलिया ओपन का खिताब जीता था।

सेंचुरियन में तीसरे दिन बने 2 बड़े रिकॉर्ड्स : धोनी का रिकॉर्ड तोड़ ऋषभ पंत ने रचा इतिहास, शमी भी हुए कपिल-श्रीनाथ के क्लब में शामिल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच सेंचुरियन में जारी पहले टेस्ट के तीसरे दिन भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत और अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने इतिहास रच दिया। पंत जहां भारत के लिए बतौर कीपर सबसे तेज 100 शिकार करने वाले खिलाड़ी बन गए, तो शमी ने भी टेस्ट फॉर्मेट में अपने 200 विकेट पूरे किए। मंगलवार को अफ्रीकी पारी के दौरान तीसरा कैच पकड़ने के साथ ही ऋषभ पंत भारत के लिए सबसे तेज 100 शिकार करने वाले विकेटकीपर बन गए। पंत ने ये उपलब्धि अपने 26वें टेस्ट में हासिल की। उनसे पहले पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने 36 टेस्ट मैचों में पहले 100 शिकार किए थे। पंत ने ये रिकॉर्ड सिर्फ 24 साल की उम्र में बनाया है। बता दें कि धोनी के बाद तीसरे पायदान पर ऋद्धिमान साहा हैं। उन्होंने ये कारनामा (37 टेस्ट) में किया था। वहीं, चौथे स्थान पर किरन मोरे हैं। उन्होंने 39 टेस्ट में इस उपलब्धि को हासिल किया था। पांचवे स्थान पर नयन मोंगिया और और छठे स्थान पर सैयद किरमानी हैं। मोंगिया ने 100 शिकार के लिए 41 टेस्ट लिए। वहीं, किरमानी ने ये कमाल 42 टेस्ट में किया। भारत की ओर से सा. अफ्रीका की पहली पारी में 5 विकेट लेने वाले मोहम्मद शमी ने भी टेस्ट क्रिकेट में अपने 200 विकेट पूरे कर लिए। भारत के लिए 200 टेस्ट विकेट लेने वाले शमी 11वें और बतौर तेज गेंदबाज कुल 5वें खिलाड़ी बने। इसके साथ ही वह टीम इंडिया के लिए सबसे तेज 200 टेस्ट विकेट लेने वाले कपिल देव (50 टेस्ट) और जवागल श्रीनाथ (54 टेस्ट) के बाद तीसरे फास्ट बॉलर भी बन गए हैं। शमी ने ये रिकॉर्ड अपने 55वें टेस्ट मैच में हासिल किया।

भारत के लिए सबसे तेज 200 टेस्ट विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज

कपिल देव	जवागल श्रीनाथ	मोहम्मद शमी	इशांत शर्मा	जहीर खान
मैच 50	मैच 54	मैच 55*	मैच 66	मैच 67

मोहम्मद शमी का गेम प्लान : बोले -

दूसरी पारी में 250 तक रन बनाकर SAको 400 का टारगेट देंगे

शमी ने पहली पारी में लिए 5 विकेट

16 ओवर
44 रन
5 विकेट

200 विकेट लेने के बाद हुए इमोशनल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय टीम सेंचुरियन टेस्ट में 400 रन का टागरेट देकर अफ्रीकी टीम को चौथे दिन बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित करेगी। इसका खुलासा साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली पारी में 5 विकेट लेने वाले गेंदबाज मोहम्मद शमी ने मैच के बाद प्रेस वार्ता में की। उन्होंने कहा कि हम चाहेंगे की दूसरी पारी में 250 रन बनाकर अफ्रीकी को 400 रन का टारगेट दें। हमारी कोशिश होगी कम से 350 रन का टारगेट अवश्य दें। हम अफ्रीका को चौथे सत्र में बल्लेबाजी दे सकते हैं।

पिता को दिया श्रेय

शमी ने 200 विकेट लेने का पूरा श्रेय पिता और भाई को दिया। वह भावुक हो गए और अपने पिता को याद किया। उनके पिता का देहांत 2017 में हो गया था। शमी सबसे तेज 200 विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज हैं। शमी ने यह उपलब्धि 55 वें टेस्ट मैच में हासिल की है। जबकि उनसे आगे कपिल देव और जवागल श्रीनाथ हैं। कपिल देव ने 50 वें टेस्ट में और जवागल श्रीनाथ ने 54 वें टेस्ट मैच में यह उपलब्धि हासिल की है। शमी ने कहा, मैं आज जहां भी हूं और जो भी हूं मुझे लगता है उसका सबसे ज्यादा क्रेडिट मेरे पिता को जाता है। क्योंकि मैं ऐसे क्षेत्र से हूं, जहां ज्यादा सुविधाएं नहीं थीं।

पहली पारी में इंडिया ने बनाए 327 रन

टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका के सेंचुरियन टेस्ट में पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 327 बनाया। भारत की ओर से केएल राहुल ने 260 गेंदों पर 123 रन बनाए। वहीं भारत की पहली पारी के जवाब में साउथ अफ्रीका 197 रन पर ढेर हो गई। मोहम्मद शमी ने टीम इंडिया की ओर से 5 विकेट लिए। जबकि बुमराह-शार्दूल को 2-2 विकेट मिले और एक विकेट मोहम्मद सिराज ने लिया। वहीं दूसरी पारी में तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 1 विकेट के नुकसान पर 16 रन बना लिए हैं।

ICC नॉमिनेशन पर पाकिस्तान में बवा

पाक खिलाड़ियों को साल के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट खिलाड़ियों के लिए नॉमिनेट नहीं किए जाने पर सवाल

हसन अली
8 मैच • 16.07 औसत • 41 विकेट

शाहीन शाह
9 मैच • 17.06 औसत • 47 विकेट

4 खिलाड़ी हैं नामित

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज इस्लामाबाद

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने इस साल के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटरों के लिए भारत के आर अश्विन सहित चार खिलाड़ियों को नॉमिनेट किया है। इनमें से किसी एक को साल का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर घोषित किया जाएगा। नॉमिनेट किए गए खिलाड़ियों की लिस्ट में पाकिस्तान का एक भी खिलाड़ियों के नाम नहीं होने से पाकिस्तानी खेल पत्रकार और फैन्स सवाल उठा रहे हैं। लिस्ट में अश्विन के अलावा इंग्लैंड के कप्तान जो रूट, न्यूजीलैंड के काइल जेमिसन और श्रीलंका के दिमुथ करुणारत्ने शामिल हैं।

शाहीन अफरीदी ने इस साल लिए थे 4 विकेट:- पाकिस्तान के खेल पत्रकार साज सादिक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि ड्डष्टष्ट टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर के लिए 4 खिलाड़ी नॉमिनेट हुए हैं। जो रूट, आर अश्विन, काइल जेमिसन और दिमुथ करुणारत्ने शामिल हैं। मैं हैरान हूं कि इस साल अश्विन के बाद टेस्ट में सबसे अधिक 47 विकेट लेने वाले शाहीन अफरीदी का इस लिस्ट में नाम ही नहीं है।

हसन अली के नहीं शामिल किए जाने पर भी सवाल:- वहीं एक अन्य खेल पत्रकार अर्शलान सिद्धीकी ने भी सवाल खड़े करते हुए पोस्ट किया है कि शाहीन अफरीदी ने 2021 में शानदार गेंदबाजी की। 9 टेस्ट में 47 विकेट लिए। अश्विन के बाद इस साल शाहीन शाह अफरीदी दूसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं। फिर भी उन्हें नॉमिनेशन के लायक नहीं समझा गया। वहीं इस लिस्ट में हसन अली के नाम नहीं होने वाला भी हैरान करने वाल है। उन्होंने 8 मैच में 16.07 के औसत से कुल 41 विकेट लिए हैं। उनका औसत अश्विन(16.67) और शाहीन अफरीदी (17.06) से भी बेहतर है।

हैदराबाद एफसी के खिलाड़ी गोवा के जीएमसी स्टेडियम में हैदराबाद एफसी और ओडिशा एफसी के बीच इंडियन सुपर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के सीजन 8 के मैच 43 के दौरान गोल करने के बाद जश्न मनाते हुए।

रोनाल्डो, एमबाप्पे और लेवांडोवस्की ग्लोब सॉकर पुरस्कार में जीते

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज दुबई

दुबई ग्लोब सॉकर पुरस्कार का 12वां सत्र बुर्ज खलीफा में आयोजित किया गया जिसमें पोलैंड और बायर्न म्युनिख के स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवांडोवस्की को सर्वश्रेष्ठ गोल स्कोरर और दर्शकों की पसंद का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुना गया। लेवांडोवस्की ने सर्वश्रेष्ठ गोल स्कोरर का माराडोना पुरस्कार जीता। वहीं मैनचेस्टर युनाइटेड के क्रिस्टियानो रोनाल्डो को दुनिया में सबसे ज्यादा गोल का रिकॉर्ड अपने नाम करने के लिए पुरस्कार दिया गया। इंग्लिश प्रीमियर लीग खेल रहे रोनाल्डो

ने वीडियो संदेश भेजकर पुरस्कार के लिए धन्यवाद दिया। फ्रांस के काइलियान एमबाप्पे को सर्वश्रेष्ठ पुरूष फुटबॉलर और एलेक्सिया पुतेलास को सर्वश्रेष्ठ महिला फुटबॉलर का पुरस्कार मिला। सर्वश्रेष्ठ महिला क्लब का पुरस्कार बार्सीलोना ने और पुरूष क्लब का पुरस्कार चेलसी ने जीता। वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर इटली के जियांलुइगी डोनारूमा चुने गए जिन्होंने यूरो फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ पेनल्टी बचाई थी। वर्ष के सर्वश्रेष्ठ कोच का पुरस्कार रॉबर्टो मंचिनी को और राष्ट्रीय टीम का पुरस्कार इटली को मिला।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS

न्यूज ब्रीफ

आयकर विभाग ने 2019-20 के आईटीआर सत्यापन के लिए फरवरी 2022 तक वक्त दिया

नई दिल्ली। जिन करदाताओं ने वित्त वर्ष 2019-20 के लिए अपने आयकर रिटर्न का अभी तक ई-सत्यापन नहीं किया है आयकर विभाग ने करदाताओं को राहत देते हुए सत्यापन की समयसीमा को आगे बढ़ाया है। कानून के मुताबिक डिजिटल हस्ताक्षर के बिना इलेक्ट्रॉनिक रूप से आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने पर उसका आधार ओटीपी, नेटबैंकिंग, डीमैट खाते के जरिए भेजे गए कोड, पूर्व-मान्य बैंक खाते या एटीएम से सत्यापन करना होता है। यह सत्यापन आयकर रिटर्न दाखिल करने के 120 दिनों के भीतर करना जरूरी है। इसके अलावा आयकरदाता बेंगलुरू में केंद्रीकृत प्रसंस्करण केंद्र (सीपीसी) कार्यालय में आईटीआर की एक भौतिक प्रति भेजकर सत्यापन भी कर सकते हैं। यदि सत्यापन की प्रक्रिया पूरी नहीं होती है, तो यह माना जाता है कि रिटर्न दाखिल नहीं किया गया है।

एनटीपीसी ने एनआरईएल में रणनीतिक निवेशक को शामिल करने की योजना बनाई

नईदिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने अपनी स्वच्छ ऊर्जा इकाई एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एनआरईएल) को अक्टूबर 2022 में शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने से पहले एक रणनीतिक निवेशक को शामिल करने की योजना बनाई है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। एनटीपीसी ने अगले तीन वर्षों में कुल 15,000 करोड़ रुपये की विनिवेश योजना बनाई है, जिसके तहत एनआरईएल को सूचीबद्ध किया जाना है। विनिवेश योजना के तहत मार्च 2024 तक नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड और एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड को भी शेयर बाजार में सूचीबद्ध किया जाएगा। इस योजना में एनटीपीसी-सेल पावर कंपनी लिमिटेड (एनएसपीसीएल) में हिस्सेदारी की बिक्री भी शामिल है।

एफएमसीजी वितरक बढ़ाएंगे असहयोग की समय सीमा!

नई दिल्ली। बिस्कुट से लेकर शैंपू तक वाली दैनिक उपभोग की वस्तुओं (एफएमसीजी) के वितरक उपभोक्ता वस्तुओं की कंपनियों के साथ काम करना बंद करने के लिए तय की गई 1 जनवरी की समय सीमा को आगे खिसका सकते हैं, क्योंकि संगठित वितरण प्लेटफार्मों को दिए जाने वाले समान मार्जिन के लिए उनकी मांग के संबंध में बातचीत जारी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। एक अधिकारी ने कहा कि डीलरों और वितरकों का प्रतिनिधित्व करने वाला संगठन - ऑल इंडिया कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन (एआईसी पीडीएफ) कई एफएम सीजी विनिर्माताओं के साथ बातचीत करने में जुटा हुआ है।

नए साल में एटीएम से पैसा निकालना और कपड़े-फुटवेयर खरीदना हो जाएगा महंगा, 1 जनवरी से होंगे ये 6 बदलाव

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

नया साल यानी 2022 अपने साथ कई बदलाव लेकर आने वाला है। इन बदलावों का असर आपकी जिंदगी पर भी होगा। 1 जनवरी से एटीएम से पैसा निकालना और कपड़े-फुटवेयर खरीदना महंगा होने वाला है। हम आपको 1 जनवरी से होने वाले 6 बदलावों के बारे में बता रहे हैं।

एटीएम से पैसे निकालना हो जाएगा महंगा

आरबीआई ने फ्री ट्रांजैक्शन के बाद कैश निकासी पर लगने वाले चार्ज को बढ़ाने की मंजूरी दी है। बैंक अभी ग्राहकों से 20 रुपए प्रति ट्रांजैक्शन का चार्ज वसूलते हैं। इसमें टैक्स शामिल नहीं हैं। आरबीआई के मुताबिक, फ्री ट्रांजैक्शन के बाद बैंक अपने ग्राहकों से प्रति ट्रांजैक्शन 20 की जगह 21 रुपए ले सकेंगे। इसमें टैक्स शामिल नहीं हैं। यह नियम 1 जनवरी 2022 से लागू होगा।

कपड़े और फुटवेयर खरीदना महंगा होगा:- 1 जनवरी से कपड़े और फुटवेयर पर 12 फीसदी जीएसटी लगेगा। भारत सरकार ने कपड़ा, रेडीमेड और फुटवेयर पर 7 फीसदी जीएसटी बढ़ा दी है। इसके अलावा ऑनलाइन तरीके से ऑटो रिक्शा बुकिंग पर 5 फीसदी जीएसटी लगेगा। यानी ओला, उबर जैसे ऐप बेस्ड कैब सर्विस प्रोवाइडर प्लेटफॉर्म से ऑटो रिक्शा बुक करना अब महंगा हो जाएगा। हालांकि, ऑफलाइन तरीके से ऑटो रिक्शा के किराए में कोई बदलाव नहीं होगा। उसे टैक्स से बाहर रखा गया है।

15 से 18 साल के बच्चे वैक्सीन के लिए करा सकेंगे रजिस्ट्रेशन

देश में 3 जनवरी से 15 से 18 साल तक के बच्चों को कोरोना वैक्सीन लगाई जाएगी। इसके लिए 1 जनवरी से कोविन ऐप पर रजिस्ट्रेशन कराया जा सकेगा। 10वीं का ड्डष्ठ कार्ड भी रजिस्ट्रेशन के लिए आइडेंटिटी प्रूफ माना जाएगा।

इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक ने बढ़ाया चार्ज

इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के खाताधारकों को 1 जनवरी से एक तय सीमा से ज्यादा कैश निकालने और डिपॉजिट करने पर चार्ज देना होगा। बेसिक सेविंग्स अकाउंट से हर महीने 4 बार कैश निकासी फ्री होगी। इसके बाद हर निकासी पर 0.50 फीसदी चार्ज देना होगा जो कम से कम 25 रुपए रुपए होगा। हालांकि बेसिक सेविंग्स अकाउंट में पैसे जमा करने पर कोई चार्ज नहीं लगेगा। बेसिक सेविंग अकाउंट के अलावा दूसरे सेविंग अकाउंट और करंट अकाउंट में 10 हजार रुपए तक जमा करने पर कोई शुल्क नहीं देना होगा। 10 हजार के बाद 0.50 फीसदी शुल्क लगाया जाएगा। जो न्यूनतम 25 रुपए प्रति लेनदेन होगा। बचत और चालू खातों में हर महीने 25 हजार रुपए तक की नकद निकासी मुफ्त होगी और उसके बाद हर ट्रांजैक्शन पर 0.50 फीसदी चार्ज देना होगा।

अमेजन प्राइम पर देख पाएंगे लाइव क्रिकेट मैच

अमेजन का OTT प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर अब लाइव क्रिकेट मैच भी देख सकेंगे। अमेजन प्राइम वीडियो अगले साल 1 जनवरी, 2022 से न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज के साथ लाइव क्रिकेट स्ट्रीमिंग प्ले में एंट्री कर रहा है।

गाड़ी खरीदना हो जाएगा महंगा

नए साल में मारुति सुजुकी, रेनो, होंडा, टोयोटा और स्कोडा समेत लगभग सभी कार कंपनियों की कार खरीदने के लिए आपको ज्यादा कीमत चुकानी होगी। टाटा मोटर्स 1 जनवरी 2022 से कॉमर्शियल व्हीकल की कीमतों में 2.5 फीसदी की बढ़ोतरी करेगी।

कम नहीं हो रही क्रिप्टोकरेंसी की चाहत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

दुनिया के दूसरे देशों की तरह भारत में भी आभासी मुद्राओं (किप्टोकरेंसी) के प्रति युवा पीढ़ी का झुकाव तेजी से बढ़ रहा है। भारत में इन मुद्राओं के भविष्य पर अनिश्चितता की तलवार लटक रही है मगर युवाओं में इसकी जरा भी परवाह नहीं दिख रही है। दुनिया में क्रिप्टोकरेंसी का प्रसार %चौथी औद्योगिक क्रांति% भी मानी जा रही है। दूसरी ओर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास लगातार कहते रहे हैं कि क्रिप्टोकरेंसी मुख्य धारा का हिस्सा बनती हैं तो इसके %गंभीर परिणाम% हो सकते हैं।

आरबीआई चीन की तरह ही इन मुद्राओं पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाना चाहता है और इन्हें निवेश का जरिया तक मानने को तैयार नहीं है। संसद की वेबसाइट पर क्रिप्टोकरेंसी एवं आधिकारिक मुद्रा डिजिटल मुद्रा नियमन विधेयक सूचीबद्ध जरूर किया गया था मगर शीतकालीन सत्र में इसे पेश नहीं किया गया। भारत में क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने वाले सबसे अधिक लोग हो गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इन मुद्राओं को लेकर अनिश्चितता बरकरार रहने के बावजूद भारत में इसकी लोकप्रियता कम होती नहीं दिख रही है। विधि कंपनी शार्दूल अमरचंद मंगलदास में पार्टनर एवं वित्त-तकनीक प्रमुख शिल्पा मानकर अहलूवालिया कहती हैं, %क्रिप्टोकरेंसी के संबंध में आरबीआई की चिंता वाजिब है। अगर आभासी मुद्राओं को सामानांतर मुद्रा के तौर पर मान्यता दी जाती है तो देश में भुगतान प्रणाली पर प्रतिकूल असर हो सकता है।% दुनिया में क्रिप्टोकरेंसी बाजार पूंजीकरण नवंबर में 3 लाख करोड़ डॉलर से अधिक हो गया था। भारतीय निवेशकों ने बिटकॉइन, इथेरियम, लाइटकॉइन आदि आभासी मुद्राओं में 1,000 करोड़ डॉलर से अधिक निवेश किए हैं। इनमें खुदरा निवेशकों की संख्या अधिक रही है। पिछले एक वर्ष में इनमें कई आभासी मुद्राओं से 100 प्रतिशत से भी अधिक प्रतिफल मिला है। आईटी उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था नैसकॉम का अनुमान है कि देश में क्रिप्टो परिसंपत्तियों में निवेश मौजूदा 6.6 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक 15.6 अरब डॉलर हो जाएगा। ब्रोकरचूजर पोर्टल के अनुसार क्रिप्टोकरेंसी में 10 करोड़ भारतीयों ने निवेश किया है, जो दुनिया में सर्वाधिक संख्या है।

मेटामैप ने जुटाए 530 करोड़ रुपये

नईदिल्ली। कंपनियों को सीमा रहित अर्थव्यवस्था की ओर जाने में मदद के लिए योग्यता-आधारित विश्वास और प्रतिष्ठा का बुनियादी ढांचा निर्मित करने वाली स्टार्टअप मेटामैप (जिसे पहले माटी के रूप में जाना जाता था) ने कहा कि उसने सीरीज बी के वित्तपोषण में ट्राइब कैपिटल की अगुआई में 530 करोड़ जुटाए हैं, जिसमें क्राफ्ट वेंचर्स, अल्मेडा रिसर्च (एफटीएक्स), टाइटन कैपिटल तथा इनसाइट पार्टनर्स के संस्थापक जेरी मर्डोक जैसे प्रमुख एंजेल निवेशकों की भी भागीदारी रही। इस नई पूंजी से कंपनी का कुल वित्त पोषण अब तक 630 करोड़ रुपये हो गया है। इसका इस्तेमाल उत्पाद विकास में निवेश करने और अंतरराष्ट्रीय विस्तार के लिए किया जाएगा, क्योंकि यह अरबों लोगों को ऑनलाइन सेवाओं की पहुंच में मदद करने के इसके कार्यक्रम को आगे ले जाएगा।

दो और टीकों को मिली मंजूरी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत के औषधि नियामक ने कोविड-रोधी दो टीकों के साथ ही एक ऐंटीवायरल गोली को आज मंजूरी दे दी। विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) ने एक दिन पहले ही बायोलॉजिकल ई के कॉर्बेवैक्स, सीरम इंस्टीट्यूट और नोवावैक्स के कोवोवैक्स टीके तथा मार्क ऐंड रेजबैक की मोलनुपिराविर टैबलेट को हरी झंडी दी थी। दो और टीकों को मंजूरी मिलने से भारत के पास तीसरी खुराक में और भी टीकों का विकल्प हो गया है। केंद्र ने दूसरी खुराक के 9 महीने बाद तीसरी खुराक लेने की हाल ही में मंजूरी दी है। हालांकि शुरुआती चरण में स्वास्थ्यकर्मियों, अग्रिम मोर्चे पर तैनात कर्मचारियों और दूसरी बीमारियों से ग्रस्त वरिष्ठ नागरिकों को ही तीसरी खुराक दी जाएगी। इसके अलावा 15 से 18 साल के किशोरों के टीकाकरण को भी हरी झंडी दे दी गई है। कॉर्बेवैक्स और कोवोवैक्स मार्च तक बाजार में उपलब्ध हो सकते हैं। बायोलॉजिकल ई द्वारा विकसित कॉर्बेवैक्स देश का पहला स्वदेशी रिसेप्टर-बाइंडिंग डोमेन (आरबीडी) प्रोटीन वैक्सीन है। नैनोपार्टिकल वैक्सीन कोवैक्स का उत्पादन सीरम के पुणे संयंत्र में किया जाएगा। इसी तरह ऐंटीवायरल दवा मोलनुपिराविर का उत्पादन देश में 13 कंपनियां करेंगी और कोविड से पीड़ित वयस्क रोगियों को आपात स्थिति में यह दवा दी जाएगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने ट्वीट में कहा, %कोविड के खिलाफ लड़ाई को और मजबूती मिली है। सीडीएससीओ ने एक ही दिन में 3 दवाओं को सीमित आपात उपयोग की मंजूरी मंजूरी दी है।%दोनों टीके वयस्कों के लिए मंजूर किए गए हैं, लेकिन कोवोवैक्स का परीक्षण बच्चों पर भी किया जा रहा है। नतीजे अच्छे आए तो भविष्य में बच्चों के लिए भी इस टीके को मंजूरी मिल सकती है। बायोलॉजिकल ई ने कहा कि कॉर्बेवैक्स को डायनावैक्स के सीपीजी1018 एडजुवेंट और फिटकरी (एलम) के साथ विकसित किया गया है, जो शरीर में कोरोनावायरस के खिलाफ प्रतिरक्षा बढ़ाता है।

एएआई को सभी बकाया का भुगतान कियाः एयरएशिया इंडिया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

एयरएशिया इंडिया ने बुधवार को कहा कि उसने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) को सभी बकाया का भुगतान कर दिया है और विमानन कंपनी सितंबर 2021 से देय तारीखों पर ऋण शर्तों के अनुसार सभी भुगतान कर रही है। पीटीआई-भाषा ने 26 दिसंबर को बताया था कि एएआई के आंतरिक दस्तावेजों के अनुसार एएआई को एयरएशिया इंडिया का बकाया बढ़कर अक्टूबर 2021 में 3.58 करोड़ रुपये हो गया, जो जनवरी 2020 में 1.47 करोड़ रुपये था। विमानन कंपनियों को एयर नेविगेशन, लैंडिंग और पार्किंग के लिए एएआई के हवाई अड्डों पर सुविधाओं का इस्तेमाल करने के लिए भुगतान करना पड़ता है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के तहत आने वाले एएआई के हवाई अड्डों की संख्या 100 से अधिक है। एयरएशिया इंडिया के प्रवक्ता ने बुधवार को पीटीआई-भाषा को बताया, ''हमने एएआई के साथ समझौते के अनुसार अपने सभी बकाया का भुगतान कर दिया है। हम सितंबर से देय तारीखों पर ऋण शर्तों के अनुसार सभी भुगतान

कर रहे हैं और आज तक कोई बकाया नहीं है।'' प्रवक्ता ने कहा कि परिचालन लागत हमेशा उड़ानों की संख्या और उड़ान भरने वाले यात्रियों की संख्या के अनुपात में बढ़ती है। उन्होंने कहा, ''सितंबर से आज तक हमने हवाई अड्डा प्राधिकरण की नीति के अनुसार तय तारीखों पर 59 करोड़ रुपये का भुगतान किया है।'' पीटीआई-भाषा के पास मौजूद एएआई के दस्तावेजों के मुताबिक भारत की छह प्रमुख घरेलू विमानन कंपनियों - इंडिगो, स्पाइसजेट, गोएयर, एयरएशिया इंडिया, एयर इंडिया और विस्तारा - पर एक जनवरी, 2020 तक एएआई का 2,306.59 करोड़ रुपये बकाया था। दस्तावेजों के मुताबिक ये बकाया 31 अक्टूबर, 2021 तक 14.29 प्रतिशत बढ़कर 2,636.34 करोड़ रुपये हो गया।

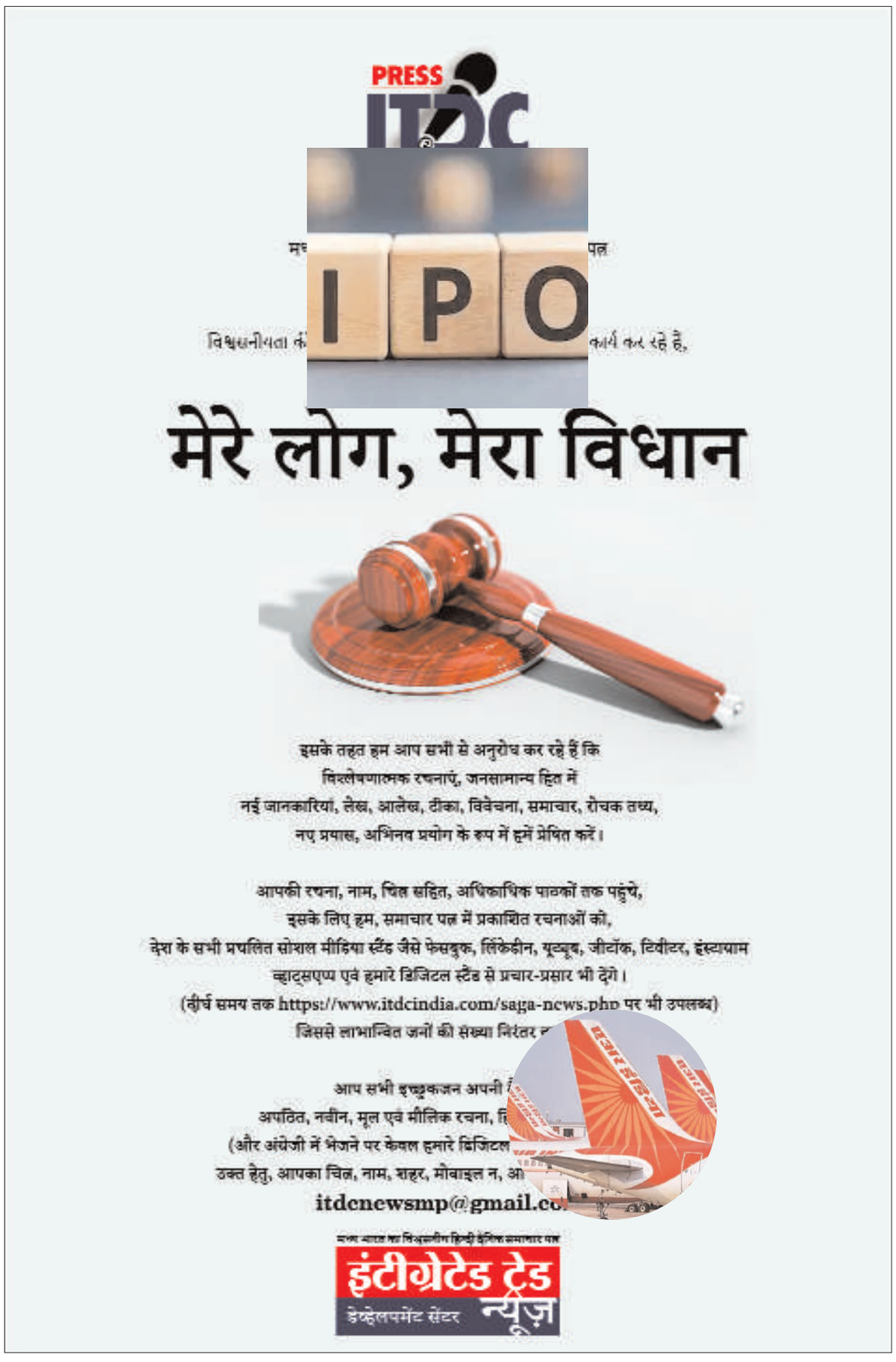

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।